निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक

सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 333 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ गुरुवार 10 सितंबर ॥ 2026

सच-संक्षेप

लद्दाख में बीजेपी के चार पार्षदों का इस्तीफा

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी के चार पार्षदों के इस्तीफे के बाद लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद करगिल के चेयरमैन जाफर अखून के लिए राजनीतिक संकट अभी खत्म नहीं हुआ है।चार निर्वाचित पार्षदों- स्टैंजिन लकपा, पद्म दोर्जे, रिग्जिन गुरमेट और नामगल फुंचोक ने संबंधित जिला मजिस्ट्रेट को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने सात नवगठित जिलों में पर्वतीय परिषदों के विस्तार के बाद करगिल में हुए क्षेत्रीय बदलाव का हवाला देते हुए यह कदम उठाया।अप्रैल 2026 तक, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में केवल दो जिले-करगिल और लेह थे।

सऊदी पर हाउतियों का हमला, ऑयल प्लांट उड़ाए

रियाद। ईरान और अमरीका के बीच जारी तनाव और होर्मुज बंद होने की वजह से पूरी दुनिया फ्यूल की दिक्कत का सामना कर रही है। इसी बीच ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के तेल प्लांट्स पर हमला करके मुसीबत और बढ़ा दी है। हाउती विद्रोहियों के हमलों के कारण सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र में कई तेल प्रतिष्ठानों और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में आग लग गई। इन हमलों में 70 से अधिक लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एसआईआर...पद्मश्री हरेकला हजब्बा को नोटिस

नई दिल्ली। पद्म श्री सम्मानित और साक्षरता कार्यकर्ता हरेकला हजब्बा को कर्नाटक में जारी एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में नाम से जुड़ी विसंगति को लेकर चुनावी नोटिस मिला है। सूत्रों के मुताबिक, 2002 की सूची में उनका नाम हजब्बा दर्ज था, जबकि आधिकारिक दस्तावेजों में उनका पूरा नाम हरेकला हजब्बा दर्ज है। भारत निर्वाचन आयोग की नियमित सत्यापन प्रक्रिया के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने उनके घर पहुंचकर नोटिस सौंपा।

केरलम में 36 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

तिरुवनंतपुरम। केरलम में सितंबर की शुरुआत में ही गर्मी ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर रहने के बीच कोल्लम जिले के पुनालूर में सोमवार को अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.3 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, सितंबर के पहले सप्ताह में तापमान का इतना ऊपर जाना असामान्य है, क्योंकि इस दौरान आमतौर पर राज्य पर दक्षिण-पश्चिम मानसून का असर बना रहता है।

कोट्टायम में 35.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ, जो सामान्य से 4.4 डिग्री अधिक और सूचीबद्ध केंद्रों में सबसे बड़ा विचलन रहा। पालक्काड में 34.2 डिग्री, सामान्य से 3.9 डिग्री अधिक, जबकि कोच्चि के 34.1 डिग्री, सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक तापमान दर्ज किया गया। तिरुवनंतपुरम शहर और वेल्लानिक्कारा में तापमान 33.8 डिग्री रहा, जो क्रमशः 2.8 और 3.7 डिग्री अधिक है। कोझिकोड में 33 डिग्री और कन्नूर में 32.7 डिग्री तापमान रहा, दोनों अपने सामान्य स्तर से दो डिग्री से अधिक ऊपर रहे। लक्षद्वीप के अमिनी में 33.4 डिग्री, मिनिकॉय में 33 डिग्री और अगत्ती में 31.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कमजोर मानसूनी गतिविधि और सामान्य से अधिक तापमान के कारण राज्य के कई हिस्सों में सितंबर की शुरुआत भीषण गर्मी के आगे बढ़ने जैसी महसूस हो रही है।

सागर कांड के बाद छतरपुर में आबकारी का वज्र प्रहार 1 ही दिन में 94 केस

छतरपुर। सागर में जहरीली शराब पीने से हुई कई मौतों के बाद छतरपुर प्रशासन भी जाग चुका है। जिले में अवैध शराब, भंडारण और तस्करी के खिलाफ आबकारी विभाग ने अब तक का सबसे बड़ा मोर्चा खोल दिया है। सरकार के सख्त निर्देशों के बाद आबकारी विभाग और पुलिस संयुक्त रूप से ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है, जिससे जिले भर में हड़कंप मच गया है। बिजावर और बिजावर से सटे क्षेत्रों में आबकारी विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। यहां छतरपुर जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर बिजावर इलाके में एक बड़े अवैध शराब के कारोबार को ध्वस्त कर दिया गया। शराब निर्माण स्थल से भारी मात्रा में गुड़ और महुआ लाहन बरामद हुआ।

अस्पतालों में कोविड जैसे हालात

सागर जहरीली शराब कांड में मौतों का सिलसिला जारी

28 की मौत का दावा, 5 वेंटिलेटर पर, आंखों और किडनियों पर अटैक

निज संवाददाता । सागर

बुंदेलखंड क्षेत्र के बंडा और आसपास के इलाकों में नकली और जहरीली शराब से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस दर्दनाक त्रासदी में अब तक 28 लोगों की जान जा चुकी है, हालांकि प्रशासनिक आंकड़ों में अभी 15 मौतों की ही आधिकारिक पुष्टि की गई है। इसके बावजूद अस्पताल पहुंचने वाले नए मरीजों और गंभीर मामलों ने स्वास्थ्य तंत्र की नींद उड़ा दी है।बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में वर्तमान में 90 मरीजों का इलाज चल रहा है। हालात से निपटने के लिए बीएमसी में कोविड के दौर जैसे कड़े प्रबंध किए गए हैं। अस्पताल के आईसीयू में भर्ती 9 गंभीर मरीजों में से 5 की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है, जिन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। कई मरीजों के खून से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने के लिए बार-बार डायलिसिस करना पड़ रहा है।

इसके अलावा कई गंभीर मरीजों की आंखों की रोशनी भी प्रभावित हुई है। हनोती गांव के 32 वर्षीय धनसिंह आदिवासी सहित अन्य पीड़ित आईसीयू में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। बीती रात इलाज के दौरान छापरी निवासी 38 वर्षीय अरविंद विश्वकर्मा और धुरमार निवासी 32 वर्षीय रामस्वरूप अहिरवार की मौत हो गई। इसके अलावा रिझावर सानौधा निवासी 50 वर्षीय नर्मदा प्रसाद की भी मौत की सूचना है, हालांकि अस्पताल प्रबंधन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद इसकी आधिकारिक पुष्टि की बात कह रहा है।

सिर्फ संजीव दुबे को नोटिस देने से कुछ नहीं होगा , आबकारी विभाग में ऊपर से लेकर नीचे तक होना चाहिए बदलाव

भोपाल। सागर जिले के बंडा में जहरीली शराब से मौतों के बीच जबलपुर में सागर गोल्ड शराब की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी करना सहायक आबकारी आयुक्त जबलपुर संजीव दुबे को भारी पड़ गया। उन्होंने इस ब्रांड की शराब को जहरीली और इसके सेवन से बंडा में लोगों की मृत्यु का उल्लेख करते हुए जबलपुर में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध का आदेश जारी कर दिया। इसे सिविल सेवा आचरण नियम के विपरीत मानते हुए वाणिज्यिक कर विभाग ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर 15 दिन में स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। जिला कांग्रेस कमेटी सागर ग्रामीण के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा ने कहा कि सिर्फ संजीव दुबे को नोटिस देने से कुछ नहीं होगा ,आबकारी विभाग में ऊपर से लेकर नीचे तक होना चाहिए बदलाव। हालांकि नोटिस मिलने के बाद सहायक आयुक्त ने आदेश परिवर्तित कर दिया।

शराब दुकानें सील आरोपियों की धरपकड़ शुरू

शराब से मौतें होने का कारण सामने आते ही पुलिस और प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी। तत्काल सात लाइसेंसी शराब दुकानों को सील कर दिया गया। सैंपलिंग शुरू कराई गई।वहीं, दूसरी ओर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने गांवों में दबिश दी। अवैध रूप से शराब बेचने वाले आरोपियों की धरपकड़ शुरू की गई। उनके कब्जे से शराब जब्त की गई। इसके बाद पुलिस ने क्षेत्र में लगातार निगरानी बढ़ाई, ताकि कोई भी व्यक्ति अवैध शराब न बेच सके। प्रशासन ने गांव-गांव में मुनादी कराकर लोगों से शराब नहीं पीने की अपील की। वहीं, शराब पीने वाले लोगों को अस्पताल में चेकअप कराने की सलाह दी गई।

केडिया ग्रुप की बम्बइया व्हिस्की पर रोक

प्रशासनिक सख्ती के बीच आबकारी विभाग की 3 टीमों ने जिले के वेयरहाउस, डिस्टलरी और सभी शराब दुकानों की गहन जांच की है। जांच के दौरान फैक्ट्री, वेयरहाउस और सरकारी दुकानों के सागर गोल्ड ब्रांड को क्लीन चिट मिल गई है, लेकिन बम्बइया और डीसीआर ब्रांड की सप्लाई पर आगामी आदेश तक रोक जारी रहेगी। बरेठी और बरायठा शराब दुकानों के संचालकों सिद्धार्थ कुशवाह और यशवंत ठाकुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनके लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बंडा और बिनैका थानों में अब तक कुल 30 आरोपियों पर नामजद एफआईआर दर्ज की जा चुकी है, जिनमें से 14 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

'कभी दवा, कभी पानी तो कभी शराब जहरीली': राहुल गांधी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील में कथित जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले ने सियासी तूल पकड़ लिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में ऐसी घटनाएं अब आम ढर्रा बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पूरा मध्य प्रदेश जानता है कि इसके बाद क्या होगा- कुछ गिरफ्तारियां होंगी, निचले स्तर के अधिकारियों को निलंबित किया जाएगा और एक जांच समिति गठित कर दी जाएगी। इसके बावजूद अवैध और जहरीली शराब के नेटवर्क पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होगी।

पुराने मामलों का दिया हवाला

राहुल गांधी ने प्रदेश में स्वास्थ्य और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कभी दवा, कभी पानी और कभी शराब जहरीली साबित हो रही है। इसके बावजूद पीड़ितों को न्याय मिलने के बजाय मामले फाइलों में दबकर रह जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर हादसे के बाद निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर दी जाती है, जबकि बड़े सिंडिकेट और जिम्मेदार शीर्ष अधिकारियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती।

निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

राहुल गांधी ने घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि केवल रस्मी निलंबन तक कार्रवाई सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि अवैध शराब के पूरे नेटवर्क का पता लगाकर उसे खत्म किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। जहरीली शराब कांड के बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, विपक्षी दलों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कर्नाटक के मंत्री पर ईडी की रेड

बंगलूरू। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने बुधवार को कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई एक जांच के सिलसिले में की जा रही है। जांच के दायरे में मंत्री की सांसद बेटी प्रियंका जारकीहोली से जुड़े परिसर भी शामिल हैं। फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है और विस्तृत जानकारी का इंतजार है। अधिकारियों ने बताया कि करीब 18 परिसरों की तलाशी ली जा रही है। इनमें 64 वर्षीय मंत्री सतीश जारकीहोली का बंगलूरू के डॉलर्स कॉलोनी स्थित परिसर भी शामिल है। ईडी की टीम इन जगहों पर दस्तावेजों और अन्य संभावित सबूतों की जांच कर रही है। हालांकि, एजेंसी ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि किस मामले को लेकर यह कार्रवाई की गई है।ईडी की कार्रवाई सतीश जारकीहोली की बेटी प्रियंका जारकीहोली तक भी पहुंची है। प्रियंका जारकीहोली चिक्कोडी लोकसभा सीट से सांसद हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उनके परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। फिलहाल मामले में ईडी की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि ईडी ने यह कार्रवाई किस मामले में की है।

पीएम मोदी की तीन घंटे की क्लास

राज्यमंत्रियों से पूछा- विकसित भारत के लिए खुद क्या किया

नई दिल्ली। सोमवार को अपने 12 साल के कार्यकाल में दूसरी बार राज्य मंत्रियों से रूबरू हुए प्रधानमंत्री बेहद सख्त शिक्षक के रूप में नजर आए। तीन घंटे की समीक्षा बैठक में मौजूद 20 राज्य मंत्रियों (3 स्वतंत्र प्रभार समेत) पर अलग-अलग सवालों की बौछार की। राज्य मंत्रियों को आंकड़े रटने की आदत से बाज आने की नसीहत दी और एक-एक कर सभी मंत्रियों से विकसित भारत के संबंध में अपने-अपने एजेंडे को सामने रखने के लिए कहा। बैठक में ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय और गरीब कल्याण योजनाओं पर प्रजेंटेशन के बाद प्रधानमंत्री ने एक-एक मंत्री से विकसित भारत निर्माण में व्यक्तिगत पहल की जानकारी देने केलिए कहा। इस दौरान जब मंत्रियों ने अपने मंत्रालय से जुड़े आंकड़े गिनाने शुरू किए तो पीएम ने बीच में ही उन्हें रोक दिया।

कितने आंगनबाड़ी केंद्र में गईं, कितने खिलौने बांटे

बैठक में पीएम ने हर मंत्री को टोका। एक मंत्री की मंत्रालय की उपलब्धियां गिनाने से रोकते हुए पीएम ने पूछा- इसको छोड़िए, मंत्री बनने के बाद आप कितने आंगनवाड़ी केंद्र में गई हैं, कितने खिलौने बांटे हैं? एक अन्य मंत्री से पूछा कि उन्होंने रेहड़ी-पटरी वालों की उत्थान से जुड़ी पीएम स्वनिधि योजना के कितने लाभार्थियों से बात की है? व्यक्तिगत रूप से कितनों को इसका लाभ दिलाया है? इसी प्रकार पीएम ने बैठक में मौजूद सभी राज्य मंत्रियों से उनके व्यक्तिगत प्रयासों की जानकारी ली।

सोशल मीडिया पर सवाल

इस दौरान पीएम ने एक-एक मंत्रियों से उनकी सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर उपस्थिति, यहां उनकी ओर से उठाए गए मुद्दे, योजनाओं की जानकारी देने संबंधी सवाल दागे। पीएम ने खासतौर पर गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों और सरकार के बेहतर प्रयासों को सकारात्मक रूप से व्यक्तिगत स्तर और विभिन्न माध्यमों से समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए जीतोड़ प्रयास करने की नसीहत दी।

शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार को कमजोर शुरुआत की। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी के बीच निवेशकों में सावधानी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों गिरावट के साथ खुले। सबसे ज्यादा दबाव आईटी शेयरों पर रहा।

बुधवार को सेंसेक्स 350 अंक से ज्यादा गिरकर 75,216.22 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी 50 भी 100 अंक से ज्यादा टूटकर 23,522.05 पर पहुंच गया। बाजार खुलते ही निवेशकों ने आईटी, टेलीकॉम, ऑटो और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली की।सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी आईटी करीब 3 फीसदी गिरा, जो शुरुआती कारोबार में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। आईटी कंपनियों में इंफोसिस के शेयर करीब 3.34 फीसदी टूटे. टेक महिंद्रा में 2.73 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 2.60 फीसदी, विप्रो में 2.34 फीसदी और टीसीएस में 1.71 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।इसके अलावा निफ्टी मिडस्मॉल आईटी और टेलीकॉम इंडेक्स करीब 2 फीसदी नीचे रहे। फाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटो, प्राइवेट बैंक और ऑयल एंड गैस शेयरों में भी शुरुआती कारोबार में कमजोरी दिखाई दी।

मुंबई में गणेश प्रतिमा गिरने से फिर हुआ हादसा, कई घायल

मुंबई । मंगलवार रात मुंबई के कुर्ला इलाके में गणेश प्रतिमा ले जाते समय गिर गई, जिससे दो लोग मामूली रूप से घायल हो गए। तीन हफ्ते से भी कम समय में यह इस तरह की दूसरी घटना है। पुलिस ने बताया कि 10 फीट से ज्यादा ऊंची बताई जा रही यह प्रतिमा विद्याविहार से धारावी ले जाई जा रही थी, तभी रात करीब 9.45 बजे कुर्ला (पश्चिम) में एलबीएस रोड पर शीतल तालाब के पास यह गिर गई।

एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रतिमा धारावी के एक मंडल की थी। यह घटना गणेश चतुर्थी से ठीक एक हफ्ते पहले हुई है, जब भक्त गणपति देवता की प्रतिमाओं को घरों और सजाए गए सार्वजनिक मंचों (पंडालों) में स्थापित करते हैं। घायल हुए दो लोगों की पहचान संतोष जायसवाल (28) और रोहित जायसवाल (25) के तौर पर हुई है। अधिकारी ने बताया कि संतोष को कुर्ला भाभा अस्पताल ले जाया गया, जबकि रोहित को इलाज के लिए हबीब अस्पताल भेजा गया। दोनों का मामूली चोटों के लिए इलाज किया गया और बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: श्रद्धालुओं से अच्छा व्यवहार, एक हजार कर्मियों को अनुशासन में रहकर सेवा देने की नसीहत

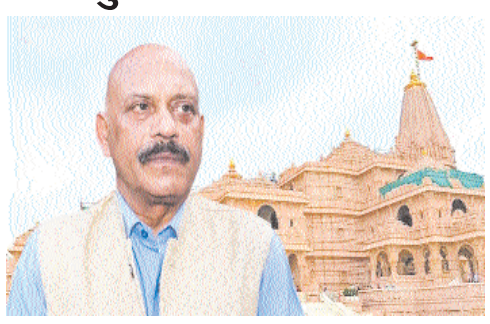

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जितेंद्र मिश्र ने राम मंदिर की व्यवस्थाओं की कमान संभालते ही अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर मौजूदा कार्यप्रणाली की जानकारी ली। करीब एक हजार कर्मचारियों के साथ हुई बैठक में अनुशासन, श्रद्धालुओं से बेहतर व्यवहार और सुगम दर्शन व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने कर्मचारियों से अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने को कहा। कैफियत ट्रेन से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचे जितेंद्र मिश्र सीधे रामघाट स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष महेश भागचंदका और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मंदिर की मौजूदा व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली को समझने के साथ ही उन्होंने ट्रस्ट के एकाउंटिंग सिस्टम की भी जानकारी ली। बैठक में मंदिर की व्यवस्थाओं में लगे कर्मचारियों की संख्या, उनके दायित्व और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी हासिल की गई। अधिकारियों के साथ मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आगे की कार्यप्रणाली को लेकर भी चर्चा हुई। सीईओ ने व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के लिए जिम्मेदारी के अनुरूप कार्य करने पर जोर दिया। इसके बाद जितेंद्र मिश्र ने राम मंदिर में सेवा दे रहे करीब एक हजार कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस बैठक का मुख्य फोकस मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और सुगम दर्शन उपलब्ध कराने पर रहा। उन्होंने कर्मचारियों को अनुशासन के तहत काम करने और श्रद्धालुओं के साथ विनम्र एवं बेहतर व्यवहार रखने के निर्देश दिए। सीईओ ने कर्मचारियों से कहा कि राम मंदिर आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु बेहतर अनुभव के साथ लौटे, इसके लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश निर्धारित योग्यता के बिना नियुक्ति नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर अंतरिम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि निर्धारित वैधानिक योग्यता पूरी किए बिना किसी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की जाएगी और न ही उसे सेवा में जारी रखा जाएगा। ये योग्यताएं संबंधित मामले में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, एनसीटीई अधिनियम और यूजीसी अधिनियम के तहत निर्धारित हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने यह अंतरिम निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम उपाय के तौर पर निर्देश दिया कि स्कूलों और कॉलेजों में वही शिक्षक नियुक्त या सेवा में जारी रह सकेंगे, जो लागू वैधानिक व्यवस्था के तहत निर्धारित आवश्यक योग्यता रखते हों। कोर्ट का अंतरिम निर्देश है कि निर्धारित योग्यता के बिना स्कूलों में शिक्षक नियुक्त नहीं किए जाएं। कॉलेजों में भी बिना निर्धारित योग्यता के शिक्षकों की नियुक्ति न हो। आवश्यक योग्यता पूरी नहीं करने वाले शिक्षकों को सेवा में जारी न रखा जाए।

रिपोर्ट :- घर पर मांसाहार खाने की थाली तैयार करने की लागत 57.50 रुपए और शाकाहार थाली की लागत 29.50 रुपए रही

मंहगाई की मार: घर पर बनी मांसाहार थाली पांच फीसदी महंगी

मुंबई। प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस के दाम बढ़ने से लोगों पर महंगाई की मार पड़ी है। अगस्त में घर पर बनी मांसाहार थाली की लागत सालाना आधार पर पांच प्रतिशत और शाकाहार थाली की एक प्रतिशत बढ़ गई। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल की मासिक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2026 में घर पर मांसाहार खाने की थाली तैयार करने की लागत 57.50 रुपए और शाकाहार थाली की लागत 29.50 रुपए रही। पिछले साल अगस्त में इनकी लागत क्रमशः 54.60 रुपए और 29.10 रुपए

थी। शाकाहार थाली में रोटी, सब्जी, चावल, दाल, दही और सलाद की लागत को गिना जाता है। मांसाहार थाली में दाल की जगह चिकन को रखा जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में इस साल अगस्त में प्याज की कीमत 43 प्रतिशत बढ़कर 40 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। अगस्त 2025 में यह 28 रुपए प्रति किलोग्राम थी। महाराष्ट्र में मार्च-अप्रैल में असमय बारिश और ओलावृष्टि से फसल को नुकसान होने के कारण दाम तेजी से बढ़े। रबी की फसल में पांच-छह फीसदी की गिरावट से उपलब्धता और कम हो गई है। पश्चिम एशिया संकट के कारण खाद्य तेलों की कीमत सालाना 11 प्रतिशत और रसोई गैस सिलेंडर की 10 प्रतिशत बढ़ी है। क्रिसिल का कहना है कि मांसाहार थाली की लागत पांच प्रतिशत बढने के पीछे मुख्य कारण चिकन की कीमत में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि रही। माह-दर-माह आधार पर मांसाहार और शाकाहार दोनों तरह की थालियों की लागत अगस्त में एक-एक प्रतिशत बढ़ गई।

मुर्गे के मांस की कीमत में 10 प्रतिशत वृद्धि: मुर्गे के मांस की कीमत में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण मांसाहारी थाली की लागत सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 57.5 रुपये हो गई। हालांकि, जुलाई की 58.3 रुपये की लागत की तुलना में अगस्त में यह एक प्रतिशत कम रही। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुषन शर्मा ने कहा कि अगले दो-तीन महीनों तक प्याज की कीमतें ऊंची बनी रहने का अनुमान है। इसकी वजह रबी फसल की कम आपूर्ति और खरीफ फसल की आवक में देरी है।

मासिक आधार पर अगस्त में प्याज: की कीमत 17 प्रतिशत बढ़ी, लेकिन टमाटर की कीमत में सात प्रतिशत की गिरावट से इसका असर सीमित रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं के लिए पवित्र माने जाने वाले श्रावण माह के कारण मुर्गे के मांस की कीमत में चार प्रतिशत की मासिक गिरावट आई। इससे अगस्त में मांसाहारी थाली की लागत जुलाई के मुकाबले एक प्रतिशत घट गई।

भारत-बांग्लादेश के बीच फिर दौड़ेगी ट्रेन

ढाका। भारत और बांग्लादेश के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है, क्योंकि दोनों देशों के बीच एक बार फिर से ट्रेन सेवा शुरू करने की तैयारी है। खास बात तो यह है कि इस बार केवल ट्रेन सेवा दोबारा शुरू ही नहीं, बल्कि इसके साथ ही नए रेल सेवा को भी जोड़ने की तैयारी है।

दोनों देशों के बीच दोबारा ट्रेन सेवा को शुरू करने के लिए दोनों देशों के रेलवे अधिकारियों ने मंगलवार को अहम बैठक की। इस बैठक में बांग्लादेश राजशाही से कोलकाता के बीच नई ट्रेन शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

दुबई में एमपी को 53 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव, सीएम बोले - वेलकम टू मध्यप्रदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दुबई दौरे के तीसरे दिन मंगलवार को निवेश, औद्योगिक साझेदारी, शहरी विकास, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और तकनीक से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। दिनभर उन्होंने अलग-अलग उद्योग समूहों और निवेशकों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में बड़े निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि मध्यप्रदेश में सभी का स्वागत है।

राणा होल्डिंग्स का 35,200 करोड़ का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री की राणा होल्डिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. दर्शन सिंह राणा के साथ बैठक में ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ई-मोबिलिटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर चर्चा हुई। कंपनी ने मध्यप्रदेश में करीब 35,200 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं बताईं। कंपनी 2,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो, 200 मेगावॉट ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट, 50 मेगावॉट एआई एवं कंप्यूट डेटा सेंटर, 30,000 एमटीपीए क्षमता के क्रिटिकल मिनरल्स रिकवरी एवं रीसाइक्लिंग कॉम्प्लेक्स और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब में रुचि दिखा रही है।

एआई फैक्ट्री में 18 हजार करोड़ के निवेश की संभावना

एनआईडीआई सर्विसेज डीएमसीसी-एससीएनईएलएलसी के निवेशकों के साथ औद्योगिक स्तर के एआई कंप्यूट कैंपस और सॉवरेन एआई फैक्ट्री परियोजना पर भी चर्चा हुई। कंपनी ने 50 मेगावॉट क्षमता वाली एआई फैक्ट्री परियोजना में करीब 1.5 से 2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 18 हजार करोड़ रुपये के निवेश का कॉन्सेप्ट प्रस्तुत किया। इसे भविष्य में 100 मेगावॉट से अधिक क्षमता तक बढ़ाया जा सकता है। जेम्स एजुकेशन के चेयरमैन सनी वर्की के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के के-12 स्कूल, शिक्षक प्रशिक्षण, एडटेक और आधुनिक शिक्षा परिसरों की स्थापना पर भी चर्चा हुई।

स्वास्थ्य से लेकर लॉजिस्टिक्स तक निवेश पर चर्चा

मुख्यमंत्री ने प्योर हेल्थ के प्रतिनिधियों से मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल, डिजिटल हेल्थ, टेलीमेडिसिन और मेडिकल-नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में निवेश पर चर्चा की। शराफ ग्रुप के साथ मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन, पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी पर बात हुई। डीपी वर्ल्ड के सीईओ रिजवान सूमार के साथ पवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कॉम्पोजिट हब, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स और निर्यात को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। वहीं केजीके ग्रुप के साथ डायमंड प्रोसेसिंग, जेम्स एंड ज्वेलरी और निर्यात आधारित इकाइयों की संभावनाएं तलाशीं गईं। विस्टास मीडिया कैपिटल के साथ फिल्म, एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट हब पर चर्चा हुई। वीएफएस ग्लोबल के साथ भोपाल और इंदौर में वीजा सेवा विस्तार तथा पर्यटन-हॉस्पिटैलिटी कौशल विकास पर बातचीत हुई।

शारजाह चैंबर से भी निवेश पर संवाद

मुख्यमंत्री ने शारजाह चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन अब्दुल्ला सुल्तान अल ओवैस से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, तकनीक, एसएमई, लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने शारजाह के निवेशकों को जीआईएस-2027 में शामिल होने का न्योता दिया।

एमपीआईडीसी को मिला 'विनर एशिया' सम्मान

एआईएम कांग्रेस-2026 में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) को एआईएम इन्वेस्टमेंट अवॉर्ड्स-2026 में 'विनर एशिया' सम्मान दिया गया। यह पुरस्कार निवेश बढ़ाने, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने, रोजगार, नवाचार और सतत विकास में बेहतर प्रदर्शन के लिए दिया गया। यह सम्मान यूएई के विदेश व्यापार मंत्री और एआईएम कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. थानी बिन अहमद अल ज़ेयौदी ने प्रदान किया।

एमार समूह को भी मध्यप्रदेश में निवेश का न्योता

मुख्यमंत्री ने एमार प्रॉपर्टीज के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मोहम्मद अलाब्बार से भी मुलाकात की। उन्होंने इंदौर-पीथमपुर-उज्जैन डेवलपमेंट कॉरिडोर सहित प्रदेश में टाउनशिप, हॉस्पिटैलिटी और आधुनिक शहरी विकास परियोजनाओं में निवेश का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने उन्हें जीआईएस-2027 में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने का भी निमंत्रण दिया।

34 लाख करोड़ से ज्यादा के प्रस्ताव मिले

दुबई में मीडिया संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में मध्यप्रदेश को 34 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से 30 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 11 प्रतिशत से अधिक आर्थिक विकास दर, पर्याप्त लैंड बैंक, सड़क-रेल नेटवर्क, आठ सक्रिय हवाई अड्डे, निवेश अनुकूल नीतियां और सिंगल विंडो व्यवस्था निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल डिवाइस, ऑटोमोबाइल, हरित ऊर्जा, आईटी, एआई, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यटन क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं बताईं। उन्होंने निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में शामिल होने का निमंत्रण दिया और कहा कि मध्यप्रदेश भारत का हृदय है और निवेशकों का स्वागत हृदय से करेगा।

50 फीट ऊंची टंकी पर चढ़ गया सांड, लोगों ने पूछा, अब आपकी क्या मांगें हैं महाराज

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां श्योपुर के ददूनी गांव एक सांड 50 फीट उंची पानी की टंकी पर चढ़ गया है। वीडियो सामने आने के बाद ये पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। बताया जा रहा है कि सांड 50 फीट ऊंची पानी की टंकी पर पिछले तीन दिनों से बैठा है और नीचे उतरने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस बीच अब ग्रामीण ये कहते हुए भी नजर आ रहे हैं कि सांड महाराज आपकी क्या मांगें हैं, जो आप पानी की टंकी पर चढ़ गए।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से सर्कुलेट हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोग इसे श्योपुर में पानी की टंकी पर चढ़कर अपनी मांग रखने वाले लोगों से जोड़कर शेयर कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर सांड महाराज की मांग क्या है? वहीं, यह सांड 50 फीट ऊंची टंकी पर कैसे पहुंचा इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है। सोमवार देर रात ग्रामीणों ने सांड के लिए पानी और चारा भी रख दिया है, जिससे उसे भोजन मिलता रहे। वहीं,अब प्रशासन के सामने भी चुनौती खड़ी हो गई है कि आखिर इस सांड को वहां से नीचे कैसे उतारा जाए। ग्रामीण देवेंद्र ने कहा, हम लोगों ने वन विभाग, पशु विभाग और मानपुर थाना पुलिस को सूचना देकर सांड को नीचे उतारने की मांग की है। पानी की टंकी पर ऊंचाई होने के कारण सांड में फिसलने या गिरने की आशंका है, जिससे उसकी जान को खतरा है। वहीं, मानपुर थाना प्रभारी सतीश दुबे ने मंगलवार को कहा, सोमवार देर शाम मानपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ददूनी गांव में एक सांड 50 फीट ऊंचाई वाली टंकी के ऊपर पहुंच गया है। यह सांड वहां कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी भी जुटाई जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश मिलने के बाद सांड को नीचे उतारने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बेटे को पढ़ाने मां का संघर्ष 12वीं में पढ़ने वाले बेटे को पीठ पर लादकर पहुंचाती है स्कूल

शहडोल। एक ऐसी मार्मिक तस्वीर सामने आई है, जो एक मां की बेबसी और उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति दोनों को दिखाती है। एक मां अपने दिव्यांग बेटे को, जो शारीरिक परेशानी के चलते ठीक से चल भी नहीं पाता, उसे अपनी पीठ पर लादकर हर दिन स्कूल पहुंचती है, जिससे उसका बेटा पढ़ सके, और आगे अपनी जिंदगी में कुछ कर सके।ये एक ऐसी तस्वीर है जिसे देखकर किसी का भी दिल पिघल जाए लेकिन अब तक इस बच्चे को कोई मदद नहीं मिल सकी है, जबकि मदद के लिए उसकी मां हर जगह आवेदन कर चुकी है।यह तस्वीर सामने आई है शहडोल जिले के आखिरी छोर में स्थित झींक बिजुरी गांव से, जहां कक्षा 12वीं में पढ़ने वाला छात्र राजकुमार जायसवाल दिव्यांग है। शारीरिक परेशानी के कारण ठीक से चल फिर भी नहीं पाता।

स्कूल जाने के लिए उसे अपनी मां की पीठ का सहारा लेना पड़ता है। मां हर रोज अपने बेटे को पीठ पर बैठाकर पहले घर से बस स्टैंड तक ले जाती है, फिर वहां पर बस में चढ़ती है और फिर बस से उतरने के बाद बस स्टैंड से स्कूल तक अपने बच्चे को पहुंचाती है।

मध्य प्रदेश में 10 लाख कुत्तों से हारा प्रशासन, फिर डॉग बाइट की शिकार बच्ची, हालत क्रिटिकल

सतना/पन्ना। पन्ना में एक मासूम बच्ची को कुत्ते ने नोच डाला। बच्ची के चेहरे को बुरी तरह से कुत्ते ने अपना शिकार बनाया। यह घटना पन्ना जिले के देवेंद्र नगर स्थित रेंजर कार्यालय परिसर की है। इसके बाद मामले को दबाने का प्रयास किया गया और बच्ची को सतना शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्ची के जबड़े और आंख के नीचे की हड्डियां पूरी तरीके से टूट चुकी हैं और उसकी स्थिति गम्भीर बताई जा रही है। हालांकि, बच्ची का उपचार अभी जारी है।मध्य प्रदेश में आवारा कुत्तों का आतंक इस समय एक गंभीर और डरावनी समस्या बन चुका है। नेशनल हेल्थ मिशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में आवारा कुत्तों की संख्या 10 लाख से भी ज्यादा है, जिनमें से अकेले भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर, सतना जैसे बड़े शहरों में ही 6 लाख से अधिक आवारा कुत्ते मौजूद हैं। ऐसे में डॉग लोगों को एवं और छोटे बच्चों को अपना शिकार बना रहे हैं। अकेले सतना जिले में रोजाना डॉग बाइट के 50 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। महीने भर में ये आंकड़ा 1500 के पार कर जाता है।सतना सीएमएचओ मनोज शुक्ला ने बताया कि कुत्तों के काटने वाले रैबीज जानलेवा हैं और रैबीज होने के बाद यह लाइलाज है।

कुत्तों के काटने से इंसान की मृत्यु तक हो सकती है।

घायल बच्ची की स्थिति बहुत गंभीर

इस बारे में बच्ची के पिता राकेश रजक ने बताया कि मैं पन्ना जिले के देवेंद्र नगर स्थित वन मंडल में वन रक्षक के पद में कार्यरत हूं। बीते दिन सोमवार को शाम करीब साढ़े तीन बजे हमारी बच्ची वन मंडल के कार्यालय में खेल रही थी। इसी दौरान एक डॉग आया और उसने बिल्ली का शिकार किया। हमारी छोटी बच्ची जो की साढ़े चार साल की है उसने बिल्ली को देखकर उसके पास जाने का प्रयास किया और फिर डॉग ने बिल्ली को छोड़ बच्ची पर उग्र रूप से हमला कर दिया।बच्ची के चेहरे कुत्ते ने बुरी तरह से नोच डाला है। वहीं मौजूद हमारी बड़ी बेटी ने आवाज लगाई और दौड़कर हम सब पहुंचे, तब तक कुत्ता वहां से भाग चुका था। वही बच्ची को पहले हम देवेंद्र नगर के अस्पताल में ले गए और प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल में लेकर आए हैं। बच्ची की स्थिति बहुत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मंगलवार को सतना पहुंचे।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पन्ना जिले के देवेंद्रनगर की इस बच्ची की हम मदद बिल्कुल करेंगे। हमारे मुख्यमंत्री जी ऐसे बच्चों के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से राशि देते हैं। हमने जिला अध्यक्ष को बोल दिया है और वो उस बच्ची के इलाज का प्रस्ताव बनाकर भेज देंगे। उसके इलाज के लिए हम मुख्यमंत्री सहायता कोष से राशि उपलब्ध कराएंगे।

छात्रों की गूंज के लिए एक लाख रजिस्ट्रेशन पार, इंदौर में कांग्रेस ने ढोल-नगाड़ों के साथ मनाया जश्न

इंदौर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आगामी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा एक लाख पार होने पर इंदौर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भोलाराम उस्ताद मार्ग पर जश्न मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर उत्साह मनाया।

जश्न के आयोजन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी पहुंचे। उनके पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मोती पटेल सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के पोस्टर के सामने ढोल-नगाड़े बजाए और आतिशबाजी कर खुशी जताई। इस दौरान राहुल गांधी के समर्थन में नारेबाजी भी की गई।

काफी देर तक भोलाराम उस्ताद मार्ग पर जश्न का माहौल बना रहा। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर छात्रों और युवाओं में लगातार उत्साह बढ़ रहा है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा एक लाख पार होना इस बात का संकेत है कि बड़ी संख्या में छात्र और युवा कार्यक्रम से जुड़ना चाहते हैं।

गुरुजी उड़ा रहे नियमों की धज्जियां, क्लास में बीड़ी फूंकते दिखे पूर्व प्राचार्य, विवादों से पुराना नाता

गुना। एक तरफ प्रदेश सरकार जहां नशा मुक्ति अभियान को लेकर गांवों से लेकर सरकारी दफ्तरों तक धूम्रपान रोकने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले स्कूल में ही एक पूर्व प्राचार्य द्वारा खुलेआम धूम्रपान करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पूर्व प्राचार्य क्लास रूम और ऑफिस में बीड़ी-सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं। यह पूरा मामला मधुसूदनगढ़ तहसील के ग्राम उकावद स्थित संकुल केंद्र हाईस्कूल का है। यहां के पूर्व प्राचार्य जगदीशचंद्र शिकारी का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वे कभी क्लास रूम

के अंदर बच्चों के सामने तो कभी अपने ऑफिस में कुर्सी पर बैठकर खुलेआम बीड़ी-सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद अभिभावकों में नाराजगी है। लोगों का सवाल है कि जो शिक्षक खुद नियमों का पालन नहीं करेगा, वह बच्चों को क्या संस्कार देगा।

अतिथि शिक्षक भर्ती में भी लगे थे आरोप

बता दें कि जगदीशचंद्र शिकारी पहले से ही विवादों में रहे हैं। उन पर अतिथि शिक्षक भर्ती में गंभीर अनियमितता के आरोप लगे थे। आरोप था कि उन्होंने अधिक अंक वाले योग्य उम्मीदवार को नजरअंदाज कर अपने बेटे को अतिथि शिक्षक के पद पर ज्वाइन करा दिया और उसका वेतन भी निकलवा दिया।

मीडिया में मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया। जिला शिक्षा अधिकारी ने मामले की जांच कराई। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद योग्य अतिथि शिक्षक को ज्वाइन कराया गया और पूर्व प्राचार्य को वहां से हटा दिया गया।

आर्थिक अनियमितताओं की जांच भी लंबित

इसके अलावा पूर्व प्राचार्य पर आर्थिक अनियमितताओं के भी कई आरोप लगे थे, जिनकी जांच अभी लंबित बताई जा रही है।

इंदौर में हफ्तेभर पहले लगे पेवर ब्लॉक धंस गए, वाहनों के आवाजाही में परेशानी

इंदौर। इंदौर की सड़कों पर गड्ढे होना आम बात थी, लेकिन अब तो सड़कें धंस रही हैं। इंदौर के नसिया रोड पर सड़क पर लगे पेवर ब्लॉक ही धंस गए। वहां से गुजरने के दौरान हादसा न हो, इसके लिए उस हिस्से में आवाजाही रोक दी गई है। यह पेवर ब्लॉक सप्ताह भर पहले ही लगाए गए थे। इस मार्ग पर मशीनों की दुकानें हैं और दिनभर में लोडिंग रिक्शा निकलते हैं। इस कारण यहां मंगलवार को दिनभर यातायात बाधित होता रहा। जब नगर निगम के अफसरों को इसकी शिकायत की गई तो वे सड़क को ठीक करने के बजाय धंसे हुए हिस्से के आसपास से यातायात प्रतिबंधित करके चले गए। व्यापारियों ने कहा कि मास्टर प्लान की जिन 23 सड़कों का निर्माण शहर में चल रहा है, उनमें नसिया रोड भी शामिल है। पिछले दिनों इस मार्ग पर ड्रेनेज लाइन बिछाई गई थी। उसके बाद सड़क पर पेवर ब्लॉक लगा दिए गए, लेकिन दो दिन पहले हुई बारिश के कारण मिट्टी धंस गई और पेवर ब्लॉक उबड़-खाबड़ हो गए।इस कारण दिनभर सड़क पर वाहन गुत्थम-गुत्था होते रहे। पेवर ब्लॉक का इस तरह धंसना दुकानदारों के बीच चर्चा का विषय रहा।

उनका कहना था कि बेस पक्का किए बगैर पेवर ब्लॉक लगाए गए। इस बारे में निगम अफसरों का कहना है कि ड्रेनेज लाइन के लिए खुदाई की गई थी। कीचड़ न हो, इस कारण वाहन चालकों की सुविधा के लिए पेवर ब्लॉक लगाए गए थे। वर्षाकाल के बाद सड़क बनाई जाएगी।

65 लाख रुपए की सरकारी मदद के दावे के बीच एमबीबीएस इंटर्न्स के स्टाइपेंड आंदोलन पर उठे सवाल

भोपाल में सड़क जाम से नागरिक परेशान, प्रदर्शन के तरीके और मांगों को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज

सच संवाददाता.भोपाल

एमबीबीएस इंटर्न्स के स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग को लेकर राजधानी भोपाल में चल रहा आंदोलन अब केवल मेडिकल छात्रों और सरकार के बीच का मुद्दा नहीं रह गया है। प्रदर्शन के दौरान सड़क जाम और आम लोगों को हो रही परेशानी को लेकर नागरिकों के बीच भी नाराजगी बढ़ने लगी है। सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर चल रही चर्चाओं में प्रदर्शन के तरीके के साथ-साथ मेडिकल शिक्षा पर होने वाले सरकारी खर्च को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, इंटर्न डॉक्टर स्टाइपेंड में करीब 110 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के कारण शहर के कुछ प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित होने की बात सामने आई है। नागरिकों का कहना है कि अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन इसका ऐसा तरीका नहीं होना चाहिए जिससे मरीजों, उनके परिजनों और आम राहगीरों को परेशानी उठानी पड़े। आंदोलन के बीच सोशल मीडिया पर यह दावा भी प्रसारित हो रहा है कि मेडिकल विद्यार्थियों की पढ़ाई पर सरकार की ओर से प्रति विद्यार्थी 65 से 75 लाख रुपये तक खर्च किए जाते हैं। इसी दावे को आधार बनाकर कुछ नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि जब मेडिकल शिक्षा पर सरकार बड़ी राशि खर्च करती है, तो इंटर्नशिप के एक वर्ष के स्टाइपेंड को लेकर सड़क बंद करने जैसी स्थिति क्यों पैदा हो रही है। हालांकि, 65 से 75 लाख रुपये की राशि वास्तव में प्रत्येक विद्यार्थी को सीधे दी जाने वाली सहायता है या सरकारी मेडिकल शिक्षा की कुल अनुमानित लागत, इसे अलग-अलग मानकों के आधार पर स्पष्ट किया जाना जरूरी है। इसलिए इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि के बिना इसे सीधे प्रत्येक छात्र को मिलने वाली सरकारी आर्थिक सहायता मानना उचित नहीं होगा।

स्टाइपेंड बढ़ोतरी की मांग पर आंदोलन

इंटर्न डॉक्टरों का पक्ष है कि एक वर्ष की इंटर्नशिप के दौरान वे अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और विभिन्न चिकित्सा सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी आधार पर वे अपने स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, नागरिकों का एक वर्ग मानता है कि मांगों को लेकर बातचीत और शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जाना चाहिए तथा अस्पतालों और सार्वजनिक मार्गों की सामान्य व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

मरीजों और आम लोगों की परेशानी पर चिंता

प्रदर्शन के कारण मरीजों और उनके परिजनों को आवागमन में परेशानी होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। नागरिकों का कहना है कि मेडिकल क्षेत्र से जुड़े आंदोलन में मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। खासकर अस्पतालों के आसपास यातायात बाधित होने से आपात स्थिति में गंभीर समस्या पैदा हो सकती है। इंटर्न डॉक्टरों की स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग और प्रदर्शन के तरीके को लेकर अब सरकार के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर छात्रों की मांग पर विचार करना है, वहीं दूसरी ओर अस्पतालों की सेवाओं और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना भी जरूरी है। ऐसे में सभी पक्षों की बातचीत के जरिए समाधान निकालने की जरूरत महसूस की जा रही है।

महाराष्ट्रीयन कुनबी पाटिल समाज ने 52 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

सच संवाददाता.भोपाल

महाराष्ट्रीयन कुनबी पाटिल समाज द्वारा हिंदी भवन, भोपाल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पूरे मध्यप्रदेश से आए शिक्षा, खेल एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 52 प्रतिभावान बच्चों को 'समाज के गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया। बच्चों के साथ उनके माता-पिता को भी मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। समारोह में समाज की छह विशिष्ट प्रतिभाओं को 'समाज विभूषण सम्मान' प्रदान किया गया। इनमें डॉ. कलीराम पाटिल, वृषाली पाटिल, मंगला पाटिल, श्रद्धा पाटिल, तनिषा पाटिल एवं किशोर दादा पाटिल शामिल रहे।

कार्यक्रम में डॉ. अभिजीत देशमुख एवं तिरले कुनबी समाज की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति खड़से ने मुख्य अतिथि के रूप में बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही श्रीमती स्मिता पेगनिस, मराठी समन्वय समिति, भोपाल भी उपस्थित रहीं। महाराष्ट्रीयन कुनबी पाटिल समाज के अध्यक्ष केबी पाटिल सहित समाज के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य, अभिभावक और समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रतिभावान बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा, खेल एवं विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

सेवा भारती के मेधा सम्मान समारोह में 476 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

साकेत और नानक मंडल के संस्कार केंद्रों में शिक्षा के साथ संस्कार पाने वाले विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

सच संवाददाता.भोपाल

सेवा भारती द्वारा सेवा बस्तियों के संस्कार केंद्रों में शिक्षा एवं संस्कार प्राप्त कर रहे मेधावी छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित मेधा सम्मान समारोह के अंतर्गत साकेत एवं नानक मंडल में कुल 476 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले इन विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, स्कूल बैग एवं शैक्षणिक सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों, दानदाताओं, शिक्षिकाओं, निरीक्षकों एवं पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का भी उनके योगदान के लिए सम्मान किया गया। रामानंद आश्रम, लालघाटी में आयोजित समारोह में गुरुदेव श्री सुदेश शांडिल्य जी महाराज, सागर समूह के सुधीर अग्रवाल, सेवा भारती मध्य प्रांत के सचिव राजेश जैन , डॉ. राजेश सेठी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने कहा कि मेहनत और प्रतिभा को सम्मान मिलने से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। सेवा भारती के संस्कार केंद्र शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर सेवा भारती महानगर अध्यक्ष शिव मंगल सिंह, सचिव प्रद्युम्न गुप्ता, विभाग समन्वयक करण कौशिक, कोषाध्यक्ष रमेश गोतेले, राजेश रमतानी, डॉ. दिनेश शर्मा, सुनील कौशिक, रूपाली सक्सेना, अंकिता बनर्जी, सीमा हाजरा, साकेत मंडल अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, सचिव शरद सक्सेना, उपाध्यक्ष सुबोध कर्मबेलकर, महिला आयाम प्रमुख गीतांजलि शुक्ला, दिनेश अग्रवाल, नानक मंडल अध्यक्ष चेतन पटेल, सचिव मनोज शर्मा, मुकेश अवस्थी, कोषाध्यक्ष प्रेम नारायण शर्मा, सह-सचिव तृप्ति अग्रवाल, दिनेश पंवार आदि मौजूद रहे।

जिला प्रशासन में अधिकारियों की भरमार फिर भी एक अधिकारी के पास तीन प्रभार

भोपाल कलेक्ट्रेट में प्रभार व्यवस्था पर उठे सवाल

अंसारुल हसन सिद्दीकी भोपाल।

जिला प्रशासन में राज्य प्रशासनिक सेवा के अनुभवी और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद एक अधिकारी को एक साथ तीन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने को लेकर प्रशासनिक हलकों में सवाल उठने लगे हैं। मामला भोपाल कलेक्ट्रेट का है, जहां एसडीएम दीपक पांडे के पास भोपाल शहर डिवीजन के एसडीएम के साथ-साथ शहर वृत्त और टीटी नगर एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार होने की चर्चा है। इसके अलावा वे पहले से जिला निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। एक ही अधिकारी के पास कई महत्वपूर्ण प्रभार होने से प्रशासनिक कामकाज के बंटवारे और राजस्व न्यायालयों में मामलों की सुनवाई को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जिले में पर्याप्त संख्या में अनुभवी अधिकारी उपलब्ध हैं तो अतिरिक्त प्रभारों का वितरण दूसरे अधिकारियों के बीच क्यों नहीं किया जा रहा है।

कलेक्ट्रेट में कई अनुभवी अधिकारी मौजूद

भोपाल जिला कार्यालय में राज्य प्रशासनिक सेवा के कई अनुभवी अधिकारी पदस्थ हैं। इनमें लाखन सिंह चौधरी, अजय शर्मा, रत्नेश श्रीवास्तव, राजेश सोरने और श्रीमती अर्चना शर्मा सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। इसके बावजूद महत्वपूर्ण एसडीएम स्तर के प्रभारों का एक ही अधिकारी के पास केंद्रित होना चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रशासनिक हलकों में यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या अधिकारियों की उपलब्धता और उनकी विशेषज्ञता के अनुरूप जिम्मेदारियों का इस्तेमाल किया जा रहा है या फिर प्रभार व्यवस्था को लेकर कोई अलग प्रशासनिक रणनीति है।

राजस्व मामलों की सुनवाई पर असर का सवाल

एक अधिकारी के पास कई जिम्मेदारियां होने का असर राजस्व मामलों की सुनवाई और न्यायिक प्रक्रिया पर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। पक्षकारों का कहना है कि तारीखों में बढ़ोतरी और मामलों के निपटारे में देरी से आम लोगों को परेशानी होती है। हालांकि, इन दावों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए लंबित राजस्व प्रकरणों, सुनवाई की तारीखों और प्रत्येक अधिकारी के कार्यभार का आधिकारिक आंकड़ा सामने आना जरूरी है। कलेक्ट्रेट में पदस्थ अधिकारियों की अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यानुभव और विशेषज्ञता का भी हवाला दिया जा रहा है। लाखन सिंह चौधरी को राजस्व एवं अतिक्रमण संबंधी मामलों का लंबा अनुभव बताया जाता है। वहीं अजय शर्मा, रत्नेश श्रीवास्तव और राजेश सोरने के पास न्यायिक एवं मैदानी प्रशासन का अनुभव है। श्रीमती अर्चना शर्मा भी लंबे समय से प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालती रही हैं।

'तीन प्रभार' को लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चा

एक अधिकारी को कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने को लेकर सोशल मीडिया पर भी तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और लोग पूछ रहे हैं कि आखिर एक अधिकारी के पास इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां एक साथ क्यों हैं? कुछ लोग इसे प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा मान रहे हैं, तो कुछ राजनीतिक संरक्षण की आशंका जता रहे हैं। हालांकि राजनीतिक संरक्षण या किसी अधिकारी को जानबूझकर प्रताड़ित किए जाने जैसे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे आरोपों पर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष सामने आना भी जरूरी है। मामला केवल एक अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने तक सीमित नहीं है। बड़ा सवाल यह है कि क्या वर्तमान व्यवस्था से प्रशासनिक कामकाज की गति प्रभावित हो रही है। जिला प्रशासन को यदि इन सवालों का स्पष्ट जवाब देना है तो प्रभार वितरण, लंबित राजस्व प्रकरणों और अधिकारियों के कार्यभार से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक करने से स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकती है।

हर-हर महादेव' से शुरू होता है अनुष्ठान का गायना, पुरखों की स्मृति के साथ होता है समापन

सच संवाददाता.भोपाल

भील एवं मालवा अंचल की समृद्ध जनजातीय और लोक परंपराओं, अनुष्ठानों तथा उनसे जुड़ी सांस्कृतिक स्मृतियों को समझने और संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, क्रांतिकारी शहीद छितुसिंह किराड़ शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीराजपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का शुभारंभ हुआ। 8 और 9 सितंबर 2026 को आयोजित इस परिसंवाद का केंद्रीय विषय चौमासे के जनजातीय एवं लोक अनुष्ठान = सांस्कृतिक स्मृति और अभिप्राय है। आयोजन में भील एवं मालवा अंचल की लोक-सांस्कृतिक परंपराओं, लोकविश्वासों, अनुष्ठानों और उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व पर विशेषज्ञों एवं वक्ताओं ने विचार साझा किए। परिसंवाद का आयोजन जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, भोपाल द्वारा महाविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। परिसंवाद के संबंध में जानकारी देते हुए निदेशक डॉ. पारे ने कहा कि किसी उद्देश्य से किसी स्थान पर एकत्र होकर लोक देवी-देवता की पूजा करना अनुष्ठान कहलाता है। उन्होंने कहा कि इन अनुष्ठानों को केवल जानना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इनके पीछे छिपी चेतना, आस्था और सांस्कृतिक भावनाओं को समझना भी जरूरी है। उन्होंने जनजातीय जीवन-दर्शन को रेखांकित करते हुए कहा कि सुख मिलने पर उसे बांटकर खाना और दुख आने पर उसे स्वयं सहना जनजातीय संस्कृति की विशेषता है। वक्ता सुश्री मनीषा ने भील-भिलाला समाज में बांस के उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बांस का इस्तेमाल केवल दैनिक जीवन में ही नहीं, बल्कि विभिन्न अनुष्ठानों, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी किया जाता है।

भव्य सुंदरकांड एवं पारिवारिक पिकनिक में उमड़ा अग्रवाल समाज का जनसैलाब

भक्ति, उल्लास और पारिवारिक सौहार्द से सराबोर रहा आयोजन

सच संवाददाता.भोपाल

समग्र अग्रवाल समाज,भोपाल द्वारा केरवा ईको पर्यटन, केरवा डैम, भोपाल में आयोजित भव्य सुंदरकांड एवं पारिवारिक पिकनिक का सफलतापूर्वक एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। भक्ति, संगीत, मनोरंजन, प्रकृति और पारिवारिक आत्मीयता से परिपूर्ण इस आयोजन में अग्रवाल समाज के परिवारों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर इसे अभूतपूर्व सफलता प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदरकांड पाठ से हुआ। इसके पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया। भक्ति के इस आध्यात्मिक वातावरण के बाद पूरा परिसर पारिवारिक उल्लास और मनोरंजन से जीवंत हो उठा। उपस्थित समाजजनों ने हाउजी, चेयर रेस, कपल चेयर रेस, मटकी फोड़ सहित अनेक मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों से लेकर युवाओं और वरिष्ठजनों तक सभी ने इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता की।आयोजन के दौरान भुट्टा पार्टी एवं विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों का भी सभी ने भरपूर आनंद लिया। आयोजन को उस समय विशेष गरिमा प्राप्त हुई, जब मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर समाजजनों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने समग्र अग्रवाल समाज द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज को इसी प्रकार एकजुट होकर रचनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भोपाल में अग्रवाल समाज की एक ही शोभायात्रा आयोजित होनी चाहिए, जिसमें भोपाल के समस्त अग्रवाल समाज की एकजुट एवं सामूहिक सहभागिता दिखाई दे। उन्होंने इसे समाज की एकता, शक्ति और सामाजिक समरसता का प्रभावी प्रतीक बताया। समग्र अग्रवाल समाज के मुख्य संयोजक सुनील गर्ग ने आगामी गणेश चतुर्थी के अवसर पर समाजजनों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने-अपने घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भगवान श्री गणेश की मिट्टी से निर्मित प्रतिमा स्थापित करें और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि हमारी धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचे, यही समय की आवश्यकता है। आयोजन में समाज के अनेक सम्मानित एवं प्रमुख सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें होरीलाल गर्ग, सुनील गर्ग, शरद अग्रवाल, श्रीमती मंजू गुप्ता, मधुर अग्रवाल, श्रीमती ममता अग्रवाल सहित अनेक समाजजन शामिल रहे।

जहरीली शराब के बाद 'सागर गोल्ड' पर रोक आदेश देने वाले आबकारी अफसर को ही नोटिस

सहायक आबकारी आयुक्त ने बिक्री रोकने के दिए थे निर्देश

सच संवाददाता.भोपाल

सागर में संदिग्ध जहरीली शराब से मौतों के बाद मध्यप्रदेश में शराब की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच जबलपुर से सामने आए एक विभागीय मामले ने कार्रवाई की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे ने बीते दिनों 'सागर गोल्ड' नाम से बिक रही शराब की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। अब इसी आदेश को लेकर वाणिज्यिक कर विभाग ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग ने दुबे से 15 दिन के भीतर जवाब मांगा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने शराब का रासायनिक परीक्षण कराए बिना और सक्षम प्राधिकारी की अनुमति लिए बगैर उसकी बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी किया।

'सागर गोल्ड' पर कार्रवाई सागर में इसी नाम से कथित रूप से बेची गई शराब के सेवन से हुई मौतों के बाद की गई थी। शराब को विषाक्त बताते हुए उसकी बिक्री रोकने के निर्देश दिए थे। हालांकि, विभाग ने इस कार्रवाई की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है। वाणिज्यिक कर विभाग ने इसे मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1966 के नियम-5 के उल्लंघन से जोड़ा है। साथ ही मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमों के नियम-10 के तहत कार्रवाई की बात कही गई है। इस घटनाक्रम ने आबकारी व्यवस्था की कार्यप्रणाली को लेकर अहम सवाल खड़ा कर दिया है। जब किसी शराब के सेवन से लोगों की मौत की आशंका सामने आ रही हो, तब क्या अधिकारी को तत्काल बिक्री रोकने का अधिकार होना चाहिए या पहले रासायनिक जांच और सक्षम प्राधिकारी की अनुमति की प्रक्रिया पूरी करना जरूरी है? एक तरफ विभागीय नियमों के पालन का सवाल है, तो दूसरी तरफ सार्वजनिक स्वास्थ्य और संभावित जहरीली शराब को तत्काल बाजार से हटाने की जरूरत। अब दुबे के जवाब के बाद यह स्पष्ट होगा कि उन्होंने किस आधार पर 'सागर गोल्ड' की बिक्री रोकने का आदेश जारी किया था।

विभाग का आरोप - बिना रासायनिक जांच और सक्षम अनुमति के जारी किया आदेश

सागर में मृतकों की संख्या पर भी अलग-अलग आंकड़े

इधर सागर जिले में संदिग्ध जहरीली शराब मामले में एक आरोपी की इलाज के दौरान मौत के बाद मृतकों की संख्या को लेकर अलग-अलग आंकड़े सामने आए हैं। विभिन्न रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 25 बताई जा रही है, जबकि जिला प्रशासन ने अब तक 15 मौतों की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार आरोपी राम सिंह की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हुई। पुलिस का कहना है कि वह कथित तौर पर शराब बेचने के साथ स्वयं भी उसका सेवन कर चुका था। पहले उसे बंडा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

16 आरोपी गिरफ्तार, छापेमारी जारी

पुलिस ने मामले में कार्रवाई तेज करते हुए शराब के निर्माण, बिक्री और सप्लाई से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 30 नामजद आरोपियों में से दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 16 हो गई है। सागर की घटना के बाद जहां पुलिस जहरीली शराब के नेटवर्क से जुड़े लोगों पर कार्रवाई कर रही है, वहीं 'सागर गोल्ड' प्रकरण ने आबकारी तंत्र की जवाबदेही का दूसरा पहलू सामने ला दिया है। अब जांच का एक महत्वपूर्ण बिंदु यह भी होगा कि संदिग्ध शराब की पहचान होने पर बिक्री रोकने, नमूने लेने, रासायनिक परीक्षण कराने और वैधानिक कार्रवाई शुरू करने की जिम्मेदारी किस अधिकारी और किस स्तर पर थी।

अजाक्स विवाद में एफआईआर के आदेश के बाद डीजीपी को ज्ञापन

भोपाल। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) से जुड़े विवाद में न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। अजाक्स के प्रतिनिधिमंडल ने प्रांताध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा के नेतृत्व में पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश को ज्ञापन सौंपकर न्यायालय के आदेश का शीघ्र पालन करते हुए संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और निष्पक्ष जांच की मांग की। संघ के अनुसार, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, भोपाल के समक्ष प्रस्तुत परिवाद प्रकरण क्रमांक यूएनसीआर 10566/2025 में 1 सितंबर 2026 को आदेश पारित किया गया है। संघ का दावा है कि न्यायालय ने परिवाद में वर्णित तथ्यों के आधार पर थाना प्रभारी टीटी नगर को एफआईआर दर्ज कर न्यायालय को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। परिवाद में आरोपी मुकेश मौर्य की अजाक्स सदस्यता और संगठन की राशि से संबंधित गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

संपादकीय

'डिब्बों' में रहने की मजबूरी

राजधानी दिल्ली में 'हत्यारे डिब्बेनुमा' कमरों में रहना छात्रों की मजबूरी है। दिल्ली विश्वविद्यालय और जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के विरोधाभासी आंकड़े ही साबित कर देते हैं कि छात्रों और छात्रावासों (हॉस्टल) के दरमियान कितना बड़ा फासला है। दिल्ली विवि में नियमित 2-2.5 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि ओपन, प्राइवेट, दूरस्थ और अन्य माध्यमों के साथ यह संख्या 7 लाख को पार कर जाती है। उनमें से दो-तिहाई छात्र दिल्ली से बाहर राज्यों और शहरों से आते हैं। हॉस्टल की सीटें और बिस्तरों की संख्या 7258 है। दिल्ली विवि के कुल 90 कॉलेजों में से सिर्फ 20 कॉलेजों में ही छात्रावास हैं। उनमें करीब 3000 छात्र ही रह सकते हैं। दिल्ली के स्थानीय और एनसीआर से भी छात्र आते हैं, जो पढ़ाई के बाद अपने घरों को लौट जाते हैं। शेष लाखों छात्र कहां जाएं, कहां रहें? यह सवाल स्वाभाविक है और मनुष्य के बसेरे से जुड़ा है। जेएनयू बड़ी विख्यात और लोकप्रिय यूनिवर्सिटी है, जहां 8000-10,000 नियमित छात्र पढ़ते हैं। वैसे पंजीकरण 20,000 छात्रों के करीब का है, लेकिन वे नियमित नहीं हैं। जेएनयू में 18 बड़े-बड़े हॉस्टल हैं, जिनमें करीब 5500 छात्रों के आवास की सुविधा है। छात्रावासों के नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर हैं। इनमें छात्रों का आवास बेहद किफायती है और खाना भी बेहतर मिलता है। औसतन छात्र 3000-4000 रुपए में महीने भर का गुजारा कर सकता है, जबकि बाजार में 'डिब्बे' के एक बिस्तर का किराया 15,000 रुपए या अधिक वसूला जा रहा है। सवाल यह है कि दिल्ली विवि में मात्र 2 फीसदी और जेएनयू में 50 फीसदी से अधिक छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा क्यों है? इतना बड़ा अंतर क्यों है? दरअसल दिल्ली में कुल 38 केंद्रीय, राज्य, निजी, डीम्ड विश्वविद्यालय हैं और एनसीआर को मिला कर करीब 1000 कॉलेज तथा संस्थान हैं। युवा छात्र संघ लोक सेवा आयोग के अलावा अन्य परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए भी दिल्ली आते हैं। यहां बेहतर कोचिंग की सुविधाएं भी हैं। तो वे छात्र दिल्ली में कहां रहेंगे? जाहिर है कि इन 'डिब्बेनुमा' कमरों में ही रहने को वे विवश हैं। दिल्ली में ऐसे पीजी, कथित हॉस्टल या अन्य बसेरे 'कुकुरमुत्तों' की तरह बना दिए गए हैं। जो इलाके कभी शहरी गांव (लाल डोरा क्षेत्र), पुनर्वास और अनधिकृत कॉलोनियां थीं, वहां अब 'डिब्बेनुमा' आवास बना दिए गए हैं।

जाहिर है कि कानून का उल्लंघन किया गया, प्रशासन और सरकार सोये रहे, अधिकारियों की जेब और तिजौरियां भरती रहीं और ऐसे 'हत्यारे बसेरे' उभरते रहे। 'सत्य निकेतन' में ही, मई माह में, ऐसी ही त्रासदी हुई थी, जब एक कोचिंग संस्थान की इमारत ढह गई थी और कई मौतें हुई थीं। दिल्ली के संदर्भ में गौरतलब है कि वहां केंद्र सरकार, अर्द्धराज्य सरकार और नगर निगम में भाजपा ही सत्ता में है। अर्थात तीन इंजनों की सरकार! त्रासदियां लगातार हो रही हैं। सरकारें सिर्फ इतना बोलती हैं-'किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।' कितने दोषी पकड़े गए हैं? कितनों को लंबी सजा मिली है अथवा जुर्माना लिया गया है? माफिया तो जमानत लेकर खुले घूम रहे हैं। वक्त गुजरता है और उन त्रासदियों पर भी धूल, विस्मृति की मोटी चादर फैल जाती है।

ऑफिसर क्यों छोड़ रहे हैं आईएएस की नौकरी

दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर शशिकांत सेंथिल ने अपनी नौकरी से इस्तीफा देने के बाद लिखा था- मौजूदा दौर में जब हमारे विविधतापूर्ण लोकतंत्र के सभी संस्थान अभूतपूर्व तरीके से समझौता कर रहे हैं, ऐसे में उनका काम जारी रखना अनैतिक होगा। सेंथिल ने आगे लिखा है कि आने वाला वक्त हमारे देश के मूल स्वभाव के लिए और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसलिए ये बेहतर होगा कि वो प्रशासनिक सेवा से बाहर होकर लोगों के जीवन में भलाई लाने वाला काम करें। कुछ सवाल हैं- क्या अफसरों का मौजूदा सरकारों के साथ काम करना मुश्किल हो गया है? क्या सरकारें अफसरों के साथ ज्यादा सख्ती दिखा रही हैं? या सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के जो आरोप लगते हैं वो सही हैं।

यूपी की मशहूर आईएएस ऑफिसर दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर चर्चा गरमाई हुई है। 13 साल की सेवा के बाद अचानक लिए गए इस निर्णय के पीछे की वजह को तलाशा जा रहा है। इसको लेकर राजनीतिक दलों की ओर से भी तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इस्तीफे के पीछे की वजह अभी तक साफ नहीं हो सकी है। आईएएस ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मैं कुछ देने की सोचकर प्रशासनिक सेवा में आई थी, लेकिन यहां से झोली भरकर लोगों का प्यार और आशीर्वाद लेकर जा रही हूं। दरअसल आईएएस के पद को देश में काफी प्रतिष्ठित माना जाता है और इस प्रतिष्ठित नौकरी को हासिल करना काफी मुश्किल है। लेकिन अगर हम आपसे यह कहें कि यह नौकरी पाना जितना मुश्किल है, उससे अधिक मुश्किल इस नौकरी को छोडना है, तो शायद आपको इस बात पर यकीन न हो। उत्तर प्रदेश कैडर में ही पिछले कुछ वर्षों में लगभग एक दर्जन से अधिक आईएएस अधिकारियों ने या तो अपने पद से इस्तीफा दिया है या फिर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। दिव्या ने इस्तीफे को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और अपने सपनों को नया आयाम देने के लिए उठाया गया कदम बताया। लेकिन यह बात जल्दी गले नहीं उतरती है। दिव्या मित्तल ने पूरे देश के लोगों का ध्यान उस समय अपनी ओर खींचा था जब वो मिर्जापुर के जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने हलिया ब्लॉक स्थित लहुरियादह गांव में स्वतंत्रता के 75 साल बाद लगभग साढ़े सात दशकों से अधिक समय से पानी से वंचित लोगों के लिए पहली बार नल से जल पहुंचाया था।

अगस्त 2023 में तत्कालीन जिला अधिकारी दिव्या मित्तल ने जल जीवन मिशन के तहत कठिन पहाड़ी भूगोल को मात देकर इस गांव के 125 से अधिक घरों में पाइपलाइन से पानी पहुंचाया। इस खबर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस दौरान वहां की ग्रामीण जनता ने उनका स्वागत फूलमालाएं पहना कर किया, जिससे लखनऊ में बैठे बड़े अफसर उनसे नाराज हो गए। इस उद्घाटन समारोह और कार्यक्रम के दौरान भी प्रोटोकॉल को लेकर स्थानीय राजनीतिक हलकों में विवाद उत्पन्न हो गया, जिसके बाद उन्हें मिर्जापुर से स्थानांतरित कर दिया गया था। दिव्या को कई महीने तक पोस्टिंग नहीं दी गई। कई महीनों के बाद उन्हें देवरिया का डीएम बनाया गया, जहां से कुछ महीनों के बाद उन्हें वहां से भी हटा दिया गया। दिव्या ने हमेशा बुराई से लडने का काम किया। शायद यही कारण है कि नेताओं को वो कभी काम के लिए मुफीद नहीं लगी। दिव्या की खासियत थी कि आप उन पर दबाव डालकर कोई गलत काम नहीं

करवा सकते थे। यह बात किसी भी राजनेता को इस देश में रास नहीं आती है। दिव्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए अपने इस सफर और देश सेवा के अपने अनुभवों का जिक्र किया, जो इनके किए गए काम और भारत के लिए इनकी खुली आंखों से देखे गए सपने का विस्तार है। रींकू सिंह राही, अनामिका सिंह, आमोद कुमार, अभिषेक सिंह, विकास गोठवाल, विद्या भूषण, मोहम्मद मुस्तफा, रेणुका कुमार और जुथिका पाटनकर, रिग्जिन सैम्पफेल, राजीव अग्रवाल और जी. श्रीनिवासुलु इत्यादि अनेक ऑफिसर नौकरी छोड़ चुके है। क्यों छोड़ रहे हैं आईएएस अफसर नौकरी, यह एक सामाजिक चिंता का विषय है। ये सच है कि हर किसी को अपने सपने को जीने का हक है। कुछ तो कॉरपोरेट जगत, पब्लिक पॉलिसी या अन्य क्षेत्रों में नए अवसर तलाशना चाहते थे। तो कुछ कई बार राज्य और केंद्र के बीच एनओसी या प्रतिनियुक्ति के मामलों में गतिरोध और मनमुताबिक पोस्टिंग न मिलने के कारण भी इस स्थिति को पहुंच गए। कई अधिकारियों ने अपने इस्तीफे में पारिवारिक जिम्मेदारियों या स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला दिया है। यहां पर सवाल यह उठता है कि आईएएस बनने के सपने को पूरा करने के लिए इन सभी लोगों ने दिन-रात एक कर दिया होगा। कई रातें जागकर बिताई होंगी। सालों अपने परिवार से दूर रहने का काम किया होगा। न जाने कितनी इच्छाओं को दमन कर दिया होगा।

लेकिन कोई वर्षों से देखे सपने को एक पल में कैसे छोड़ सकता है, यह बहुत बड़ा सवाल है। दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर शशिकांत सेंथिल ने अपनी नौकरी से इस्तीफा देने के बाद लिखा था- मौजूदा दौर में जब हमारे विविधतापूर्ण लोकतंत्र के सभी संस्थान अभूतपूर्व तरीके से समझौता कर रहे हैं, ऐसे में उनका काम जारी रखना अनैतिक होगा। सेंथिल ने आगे लिखा है कि आने वाला वक्त हमारे देश के मूल स्वभाव के लिए और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसलिए ये बेहतर होगा कि वो प्रशासनिक सेवा से बाहर होकर लोगों के जीवन में भलाई लाने वाला काम करें। कुछ सवाल हैं- क्या अफसरों का मौजूदा सरकारों के साथ काम करना मुश्किल हो गया है? क्या सरकारें अफसरों के साथ ज्यादा सख्ती दिखा रही हैं? या सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के जो आरोप लगते हैं वो सही हैं। आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा देने वाले एक ऑफिसर बताते है कि मैंने आईपीएस बनने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की, लेकिन नौकरी हासिल करने के बाद उससे भी 100 गुना ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही थी। इसलिए मैंने नौकरी छोड़ दी।

मैंने कई लाचार और बेबस आईएएस और आईपीएस अफसर देखे। वो योग्यता और क्षमता में स्तरहीन थे। सिस्टम काम नहीं करता है और आप इसको फिक्स नहीं कर सकते। सारे लोग लाचार और बेबस दिखते हैं। नकारे लोगों की पूरी लेयर होती है। एक के बाद एक नकारे लोग मिलते जाते हैं। सभी लोग आपको दबाने में लगे रहते हैं। नेता, आपके सीनियर, आपके जूनियरज्सभीज्लेकिन ये भी सच्चाई है कि जिन मजबूरियों और जिस हालात की चर्चा कर नौकरी छोड़ देते हैं, वो तकरीबन सभी नौकरियों में होते हैं। ऐसे अधिकारियों को भी नेताओं और मंत्रियों से दबकर काम करना पड़ता है। कई बार इसी का दबाव झेला नहीं जाता और अधिकारी नौकरी छोड़ देते हैं। आईएएस-आईपीएस सबसे बड़ी नौकरी है, तो बड़े पद को संभालना भी उतना ही जोखिमपूर्ण है। ऐसे अधिकारियों की भरमार है जो नौकरी में रहते हुए बेजा फायदा उठा रहे हैं। आईएएस जैसी सेवाओं में व्यक्ति का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। सरकारी नौकरियों में नवाचार के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता और अक्सर अधिकारी औसत दर्जे के जाल में फंस जाते हैं। कुछ ऑफिसर अफसाने को अंजाम न देकर एक खूबसूरत मोड़ देकर छोड़ जाते हैं। चिंतन का विषय यह है कि इतनी बड़ी नौकरियां भी चुनौतीपूर्ण काम है।

-डा. वरिंद्र भाटिया

बाबा बैजनाथ शिव जी के सान्निध्य में शनिदेव और महाकाल धाम

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बैजनाथ से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित महाकाल मंदिर आस्था, आध्यात्मिकता, लोकविश्वास और पौराणिक परंपराओं का अनूठा संगम है। प्राकृतिक शांति से घिरे इस प्राचीन तीर्थस्थल में भगवान शिव महाकाल स्वरूप में पूजित हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां भगवान शिव तेजोलिंग रूप में विराजमान हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी राम कुमार मिश्रा बताते हैं कि भगवान शिव के तेज से प्रकट शिवलिंग को तेजोलिंग कहा जाता है।

इस मंदिर के इतिहास में लोककथाओं, धार्मिक मान्यताओं और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं की अनेक परतें जुड़ी हैं। स्थानीय स्थलपुराण के अनुसार अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने भी यहां भगवान शिव की आराधना की थी। मंदिर के समीप स्थित कुंती कुंड को इसी परंपरा से जोड़ा जाता है। महाकाल मंदिर की एक प्रमुख विशेषता भगवान शिव के साथ शनिदेव की आराधना है। स्थानीय मान्यता में शनिदेव को महाकाल का शिष्य माना गया है। इसी कारण यहां शनि देव को उग्र रूप के बजाय शांत और सौम्य स्वरूप में पूजने की परंपरा है। भाद्रपद मास के शनिवार को लगने वाले शनि मेलों में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। वर्ष 2026 में भादों के पहले शनिवार, 22 अगस्त से इन मेलों का क्रम शुरू हुआ है। शनिवार के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रहती है और पूजा-अर्चना के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जाती हैं। मान्यता है कि शनि शिला पर सरसों का तेल, काले तिल और काले वस्त्र अर्पित करने से शनि संबंधी कष्टों की तीव्रता कम होती है। श्रद्धालु साढ़ेसाती, ढैया, अष्टम शनि अथवा अन्य ग्रह संबंधी परेशानियों से राहत की कामना लेकर यहां पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में 12 राशियों के प्रतीक स्वरूप स्तंभ भी हैं। भक्त अपनी राशि के अनुसार इन स्तंभों पर पवित्र धागा बांधकर सुख, शांति और संकटों से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं। इन मान्यताओं को धार्मिक आस्था के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि वैज्ञानिक उपचार या निश्चित परिणाम के रूप में। मंदिर की धार्मिक संरचना भी इसकी विशेषता बढ़ाती है। गर्भगृह में शिवलिंग के साथ परिसर में गणेश, पार्वती, भैरव, नंदी और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं विराजमान हैं। परिसर में स्थित पवित्र जलकुंडों का भी विशेष महत्व बताया

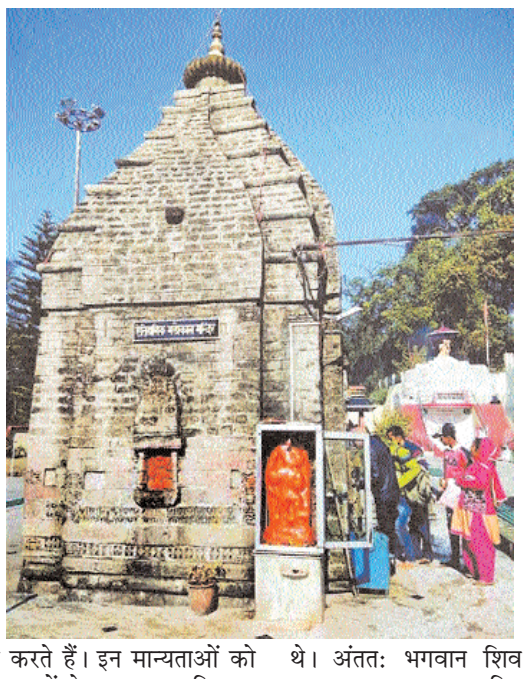

जाता है। स्थानीय परंपरा में ब्रह्म कुंड, विष्णु कुंड, शिव कुंड और सती कुंड का उल्लेख मिलता है। श्रद्धालु इन जलस्रोतों को प्राचीन साधना और शिव उपासना की परंपरा से जोडकर देखते हैं। मंदिर से जुड़ी एक अन्य लोकमान्यता जालंधर राक्षस की कथा से संबंधित है। कहा जाता है कि जालंधर ने भगवान शिव की कठोर तपस्या कर शक्तियां प्राप्त की थीं और उसके अत्याचारों से देवता चिंतित हो उठे थे। अंतत: भगवान शिव ने महाकाल स्वरूप धारण कर उसका वध किया।

स्थानीय धार्मिक परंपरा इस क्षेत्र को जालंधर पीठ से भी जोड़ती है। यह कथा मंदिर की पौराणिक पहचान को और गहरा करती है। महाकाल मंदिर में मां दुर्गा की भी प्राचीन परंपरा रही है। स्थानीय मान्यता के अनुसार मंदिर का दुर्गा स्थल लगभग साढ़े चार सौ वर्ष पुराना है, जबकि सन् 1982 में स्वामी रामानंद जी द्वारा यहां मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित की गई। मंदिर परिसर से जुड़ी परंपराओं में यह भी बताया जाता है कि पहले यहां श्मशान भूमि हुआ करती थी और क्षेत्र के अनेक गांवों के अंतिम संस्कार यहां होते थे। बाद में श्मशान को मंदिर परिसर से बाहर स्थानांतरित किया गया। यह परंपरा महाकाल के उस स्वरूप से भी जुड़ती है जिसमें शिव को जीवन, मृत्यु और मोक्ष के अधिपति के रूप में स्मरण किया जाता है। महाकाल की उपासना का मूल संदेश केवल मनोकामना पूर्ति तक सीमित नहीं है। 'महाकाल' मनुष्य को समय की अनिवार्यता, जीवन की क्षणभंगुरता और मृत्यु की शाश्वत सच्चाई का बोध कराते हैं। यही कारण है कि शिव की आराधना भय से मुक्ति के साथ आत्मचिंतन और वैराग्य की प्रेरणा भी देती है। भादों के शनिवार को उमडने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि आधुनिक जीवन की आपाधापी के बीच भी मनुष्य अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ा हुआ है। महाकाल मंदिर बैजनाथ केवल पूजा का स्थल नहीं, बल्कि लोकस्मृति, प्रकृति, पौराणिक परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत केंद्र है।

यहां शिव के महाकाल स्वरूप और उनके शिष्य माने जाने वाले शांत शनिदेव की संयुक्त आराधना श्रद्धालुओं को एक गहरा संदेश देती है। समय और परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, सत्य, संयम, सद्कर्म और ईश्वर में विश्वास मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाते हैं। यही महाकाल की शरण का सनातन संदेश है।

हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी है, तो जवाबदेही किसकी

आज बुधवार 9 सितंबर से देश में नौवां राष्ट्रीय पोषण माह शुरू हो गया है। इस साल यानी 2026 की थीम है हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी। थीम बहुत आकर्षक है। इस बार भी पूरे महीने पोषण को लेकर हंसते खिल-खिलाते बच्चों-महिलाओं के पोस्टर लगेंगे। पोषण मेले लगेंगे, आंगनबाड़ी सजेंगी, रैलियां होंगी, पोषण के सहज उपलब्ध स्थानीय खाद्य पदार्थों और प्रोटीन पर चर्चा होगी, लेकिन इसके साथ एक असुविधाजनक सवाल भी पूछा जाना चाहिए, पहला- हमारी आंगनवाड़ी-हमारी जिम्मेदारी है, तो जवाबदेही किसकी है? दूसरा- क्या पोषण का काम केवल 'अभियान' है या रोज का सार्वजनिक काम? आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी है तो उन महिलाओं यानी आंगनवाड़ी या आशा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी किसकी है, जो गांव-गांव जाकर इस पूरी व्यवस्था को चलाती हैं और जिन्हें कई बार महीनों मानदेय नहीं मिलता और मजबूरन काम छोड़ आंदोलन के लिए सड़क पर उतरना पड़ता है? इस साल सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्रों में साप्ताहिक मेन्यू में विविधता, स्थानीय खाद्य पदार्थों, दालों, अनाज, मिलेट, मौसमी सब्जियों आदि पर जोर दिया है। सामुदायिक स्वाद-परीक्षण और भोजन की गुणवत्ता पर निगरानी की भी बात है। यह महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है, लेकिन इसके साथ ही सवाल है—क्या एक महीने की गतिविधियों से पोषण सुधरेगा, या इसके लिए पूरे साल काम करने वाली मजबूत स्थानीय व्यवस्था चाहिए मेरी नजर में कुपोषण किसी कैलेंडर का कार्यक्रम नहीं हो सकता। बच्चे को इस पोषण माह में यानी सितंबर में ही प्रोटीन की जरूरत नहीं होती। गर्भवती महिला को केवल पोषण माह में ही आयरन और उचित आहार की जरूरत नहीं होती। छह महीने के बच्चे को केवल अभियान के दौरान ही पूरक आहार की जानकारी नहीं चाहिए। समझने की बात है कि यह हर रोज, हर महीने की ज़रूरत है।

हनीट्रैप के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही है आइएसआइ

पड़ोसी दुश्मन देशों की खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए भारतीय सुरक्षा बलों और रक्षा संस्थानों के अधिकारियों को हनी ट्रैप में फंसाकर संवेदनशील जानकारियां जुटा रही हैं। सीमा पार से जारी छद्म युद्ध अब केवल गोलियों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल स्पेस और मानव मन के सूक्ष्म पहलुओं तक फैल चुका है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए अब एक नए और अत्यंत खतरनाक हथियार प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों द्वारा संचालित डिजिटल हनी-ट्रैप का इस्तेमाल कर रही है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय रही हैं। समय के साथ उसके तौर-तरीके भी बदल रहे हैं। पहले जासूसी के लिए धन, लालच, दबाव और धमकी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल अधिक होता था लेकिन आईएसआई अब संवेदनशील पदों पर बैठे अधिकारियों की पहचान कर उनकी मानसिक और भावनात्मक कमजोरियों का अध्ययन करने के लिए प्रशिक्षित लोगों की सहायता ले रही है। महिलाओं के नाम से फर्जी सोशल मीडिया खाते बनाकर पहले संपर्क स्थापित किया जाता है और धीरे-धीरे भरोसे का रिश्ता तैयार किया जाता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस नए जाल में सीधे पैसे का लालच देना जरूरी नहीं रह गया है। किसी अधिकारी की निजी परेशानी, अकेलापन, वैवाहिक तनाव, कार्यस्थल की नाराजगी या भावनात्मक असंतोष को हथियार बनाया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर अपनी निराशा, तनाव या निजी समस्याओं को लगातार साझा करता है तो वह अनजाने में अपने बारे में ऐसी सूचनाएं सार्वजनिक कर देता है, जिनका इस्तेमाल उसे प्रभावित करने में किया जा सकता है। कभी किसी एप्लिकेशन को मोबाइल या कंप्यूटर में इंस्टॉल करने को कहा जाता है। संदिग्ध ऐप और सॉफ्टवेयर इस जासूसी तंत्र का दूसरा बड़ा हथियार हैं। भारत में पहले भी रक्षा और संवेदनशील संस्थानों से जुड़े व्यक्तियों के हनी ट्रैप में फंसने के आरोप सामने आते रहे हैं। डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर से जुड़ा मामला विशेष रूप से चर्चा में रहा था। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर को पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव द्वारा रचे गए ऐसे ही एक डिजिटल हनी ट्रैप जाल में गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हनी ट्रैप और जासूसी का नया तरीकाफर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल- दुश्मन देश के हैंडलर्स महिलाओं या आकर्षक नामों से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर फर्जी आईडी बनाकर अधिकारियों से दोस्ती करते हैं। बातचीत, चैट और वीडियो कॉल के जरिए पहले विश्वास जीता जाता है, फिर निजी पलों या तस्वीरों के बहाने ब्लैकमेल या प्रलोभन का खेल शुरू होता है।जासूसी के मामलों में कई बार अधिकारियों के फोन में रिमोट एक्सेस मैलवेयर या स्पाईवेयर तक इंस्टॉल करवाने की कोशिश की जाती है ताकि गुप्त डेटा स्वत: ट्रांसफर होता रहे। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर आरोपियों के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गंभीर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। दिल्ली पुलिस ने भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित पाकिस्तानी हनी ट्रैप मामले में गिरफ्तार किया है। वायुसेना से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत सोशल मीडिया के जरिए हुई एक कथित दोस्ती से हुई। एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विंग कमांडर से संपर्क किया। बातचीत आगे बढ़ने के साथ दोनों के बीच चैट और वीडियो कॉल के जरिए लगातार संपर्क होने लगा। जांच एजेंसियों का आरोप है कि महिला ने धीरे-धीरे अधिकारी का विश्वास हासिल किया और इसके बाद उससे सैन्य गतिविधियों तथा रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी मांगनी शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस को यह मामला भारतीय वायुसेना की खुफिया शाखा से मिली विशिष्ट जानकारी के आधार पर सामने आया। पुलिस ने विंग कमांडर को 30 मई की रात गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, डिजिटल बातचीत और अन्य संभावित साक्ष्यों की पड़ताल की गई। पुलिस ने 7 जुलाई को जांच पूरी करने के बाद अदालत में आरोपपत्र भी दाखिल कर दिया है। भारतीय सेना, रक्षा अनुसंधान संगठन और संवेदनशील सरकारी विभागों की सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आई. एस. आई. द्वारा हनी ट्रैप के हथकंडे का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए पाकिस्तानी महिला एजेंट भारतीय सेना के चंद अधिकारियों तथा आम लोगों को बोगस नामों से वीडियो काल करके अश्लील हरकतों द्वारा उन्हें भी ऐसा ही करने के लिए उकसाती हैं और सोशल मीडिया के जरिए उनके रूप जाल में फंस कर ये लोग भारतीय सेना की महत्वपूर्ण जानकारियां उन्हें देकर देश से गद्दारी कर रहे हैं जिनकी इसी वर्ष कई मामले सामने आए हैं 4 जनवरी को अम्बाला (हरियाणा) में हनी ट्रैप का शिकार होकर भारतीय सेना की यूनिटों की लोकेशन, मूवमैंट और तैनाती से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान भेजने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया।

आईएससीएल सीजन 2 का आगाज : 32 टीमें, 127 मुकाबले और भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट के लिए बड़ी सोच

एजेंसी.नई दिल्ली

इंडियन सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग (आईएससीएल) ने अपने दूसरे सीजन की शुरुआत की। इस बार लीग अपने पहले सीजन के मुकाबले लगभग तीन गुना बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है। देशभर की 32 टीमें कुल 127 मुकाबले खेलेंगी। बेंगलुरु में आयोजित एक प्रेस कार्यक्रम में इसकी घोषणा की गई, जिसमें दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी, लीग के अधिकारी और नए व्यावसायिक साझेदार शामिल हुए।

आईएससीएल और इंडियन सॉफ्टबॉल क्रिकेट फाउंडेशन (आईएससीएफ) के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. गंगाधर राजू ने कहा दो साल पहले हम सिर्फ लोगों को यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि सॉफ्टबॉल क्रिकेट को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। आज हमारे साथ 32 टीमें हैं और ऐसे छोटे शहरों एवं कस्बों से खिलाड़ी आ रहे हैं, जिनके बारे में बहुत से लोगों ने शायद सुना भी न हो। यही सीजन 2 की असली कहानी है। अब यह सिर्फ हमारे बारे में नहीं है, बल्कि उन खिलाड़ियों के बारे में है, जिन्होंने अपने खेल के दम पर इसे यहां तक पहुंचाया है।

सोनी स्पोर्ट्स के एवीपी कौशिक कल्लूरी ने कहा सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क में हमारे लिए साझेदारी का मतलब केवल किसी खेल को टेलीविजन पर दिखाना नहीं है। आईएससीएल की कहानी खास है, क्योंकि इसकी शुरुआत जमीनी स्तर से हुई है और यह खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा बड़े मंच पर दिखाने का अवसर देता है। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह इस सीजन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सुरेश रैना के साथ ब्रांड एंबेसडर के रूप में लीग से जुड़े हैं। हरभजन सिंह ने बताया कि लीग से जुड़ने की सबसे बड़ी वजह युवा खिलाड़ियों को मिलने वाला अवसर है। उन्होंने कहा कि लीग का दायरा बढ़ने से ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और पहचान बनाने का मौका मिलेगा। उन्होंने इसे अपने दिल के बेहद करीब बताया।लीग ने इस सीजन के लिए अपने प्रसारण और व्यावसायिक साझेदारों की भी घोषणा की। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क आधिकारिक प्रसारण साझेदार के रूप में जुड़ा है। इसके साथ पहली बार इतने बड़े स्तर पर आईएससीएल के मुकाबले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टेलीविजन दर्शकों तक पहुंचेंगे। स्क्रीनॉक्स आधिकारिक स्क्रीनिंग साझेदार के रूप में देशभर में 1,500 से अधिक स्क्रीन पर आईएससीएल के मुकाबले दिखाएगा। वहीं, मायएशिया रणनीतिक साझेदार के रूप में जुड़ा है, जो आईएससीएल को एक अंतरराष्ट्रीय लीग के साथ-साथ व्यावसायिक रूप से मजबूत खेल मंच के रूप में विकसित करने में सहयोग करेगा। सीजन 2 के बड़े स्तर पर पहुंचने के साथ हम इस सफर का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं और इस खेल को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने में सहयोग करना चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि आईएससीएल के साथ हमारी साझेदारी से खिलाड़ियों, टीमों और इस खेल को अधिक पहचान मिलेगी। साथ ही, देशभर के ज्यादा युवा क्रिकेटरों को यह विश्वास मिलेगा कि इस खेल में उनके लिए भी आगे बढ़ने का अवसर मौजूद है। पूर्व आईएएस अधिकारी और आईएससीएल प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन बी.एच. अनिल कुमार तथा वाइस चेयरमैन संजीव सिंह ने भी मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने लीग को पेशेवर स्तर पर आगे बढ़ाने और नए क्षेत्रों तक इसका विस्तार करने की योजनाओं की जानकारी दी। मायएशिया की ओर से नूरुल अमीन ने इस साझेदारी के पीछे की रणनीतिक और व्यावसायिक सोच साझा की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सीजन की साझेदारी नहीं, बल्कि भारत में सॉफ्टबॉल क्रिकेट के भविष्य और इसके लंबे समय तक विकास में किया गया निवेश है। टीमों की बढ़ी हुई संख्या, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारण और नई साझेदारियां आईएससीएल को भारत के खेल जगत में एक प्रमुख लीग के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आयोजकों के अनुसार, लीग के विकास की बुनियाद वही जमीनी स्तर की प्रतिभाएं हैं।

बीवी से मंजूरी लेनी होगी नहीं तो तलाक हो जाएगा, भारतीय टीम के हैड कोच के आवेदन पर बोले नेहरा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और गुजरात टाइटंस के हैड कोच आशीष नेहरा ने भविष्य में टीम इंडिया के हैड कोच पद के लिए आवेदन करने पर कहा है कि इंटरनेशनल कोचिंग में साल के आठ और नौ महीने यात्रा करनी पड़ती है, जो काफी मुश्किल है। नेहरा ने मजाक में कहा कि इस पद के लिए उन्हें अपनी पत्नी रुश्मा से मंजूरी लेनी होगी, वरना तलाक हो सकता है। नेहरा ने कहा कि टीम इंडिया का हैड कोच बनना सम्मान की बात होगी, लेकिन उन्होंने इसे अपनी महत्वाकांक्षा नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि वह अभी गुजरात टाइटंस के साथ काफी खुश हैं। नेहरा ने कहा, इस सवाल का जवाब अभी देना बहुत मुश्किल है। सबसे पहले मुझे हाई कमीशन से बात करनी होगी और वह मेरी पत्नी है। नेहरा ने टीम इंडिया के कोच पद की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया। उन्होंने कहा, मैं इसे महत्वाकांक्षा शब्द से नहीं जोड़ूंगा। मैं इस तरह की चीजों की योजना कभी नहीं बनाता। हां, यह सम्मान और विशेषाधिकार की बात होगी। भविष्य में क्या होता है, देखेंगे।

भारत और जापान राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में एक टी20 मैच खेलने वाले हैं

जापान ने भारत के खिलाफ खेलने वाली टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली। भारत और जापान की क्रिकेट टीमें पहली बार आमने सामने होने वाली हैं। ये ऐतिहासिक टी20 मैच 22 सितंबर को एशियन गेम्स शुरू होने से पहले जापान में खेला जाएगा। ये एक मैच दोनों देशे के बीच संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में खेला जाएगा।इस ऐतिहासि मैच के लिए जापान ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, और उसी टीम को बरकरार रखा है जो एशियन गेम्स में भी भाग लेगी। टीम का कप्तान टी20 इंटरनेशनल में जापान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी केंडेल काडोवाकी-फ्लेमिंग को बनाया गया है। इसके अलावा स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर जेक कुसुडा-नायरन को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। कप्तान के अलावा, इब्राहिम ताकाहाशी और डेक्लान सुजुकी-मैककॉम्ब दो अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने 50 से ज्यादा टी-20 आई मैच खेले हैं।

सुयोशी ताकाडा, जिन्होंने पहली बार 2013 में आईसीसी ईस्ट एशिया-पैसिफिक ङ्क20 चैंपियनशिप में जापान के लिए खेला था, की भी वापसी हुई है।एक बयान में कहा, टीम वही है जिसे नागोया में दो दिन बाद शुरू होने वाले एशियाई खेलों के अभियान के लिए चुना गया था।ङ्क इसमें आगे कहा गया,एशियाई खेलों की तैयारी के तहत, टीम ने उन खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने का फैसला किया है जो आईसीसी नियमों के तहत टी-20 आई खेलने के योग्य हैं लेकिन एशियाई खेलों के नियमों के तहत योग्य नहीं हैं।दो बार की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम का अभी आधिकारिक रूप से ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन उम्मीद है कि इस मैच में वहीं खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे जिनको एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। बात दें की भारतीय टीम ऐशियन गेम्स में अपने अभियान का आगाज सीधा क्वार्टरफाइनल से करेगी।

सुजुकी कप

भारत और जापान के बीच होने वाला ये एक मैच सुजुकी कप नाम से खेला जाएगा। यह मैच स्पोर्ट 75 की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है।

सच बाजार

75 से अधिक देशों में पहुंच , सालाना 12 अरब से ज्यादा स्टिक्स का उत्पादन

मध्यप्रदेश और बिहार प्रमुख बाजार, एमपी नंबर-वन मार्केट: दत्ता

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

भारतीय अगरबत्ती और होम-फ्रेगरेंस बाजार में 77 वर्षों की विरासत रखने वाली साइकिल प्योर अगरबत्ती अब वैश्विक विस्तार के साथ बदलती उपभोक्ता पसंद, प्रीमियमाइजेशन, डिजिटल कॉमर्स और सस्टेनेबल उत्पादों पर फोकस बढ़ा रही है। कंपनी हर साल 12 अरब से अधिक अगरबत्ती स्टिक्स का उत्पादन करती है और उसके उत्पाद 75 से ज्यादा देशों में पहुंच चुके हैं।

कंपनी के मुख्य विक्रय एवं विपणन अधिकारी अमरनाथ दत्ता के अनुसार, लंबे सफर में लगातार गुणवत्ता, उपभोक्ता जरूरतों के अनुरूप नवाचार और ब्रांड पर भरोसा कंपनी की रणनीति के प्रमुख आधार रहे हैं। वैश्विक बाजारों में विस्तार के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में गुणवत्ता के समान मानक बनाए रखना भी कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल है। देश के बाजारों में मध्यप्रदेश और बिहार साइकिल प्योर अगरबत्ती के प्रमुख बाजारों में शामिल हैं। इनमें मध्यप्रदेश कंपनी के लिए नंबर-वन मार्केट है। दोनों राज्यों में अगरबत्ती और होम-फ्रेगरेंस उत्पादों की मजबूत मांग कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कारोबारी आधार बनाती है। धार्मिक और पारंपरिक उपयोग के साथ घरों में सुगंध से जुड़े उत्पादों की बढ़ती स्वीकार्यता से इन बाजारों में नए उत्पादों के लिए भी अवसर बढ़ रहे हैं।

बैंबू-लेस धूप से पोर्टफोलियो का विस्तार

बदलती उपभोक्ता पसंद को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने बिना बांस वाली सॉलिड धूप रेंज पेश की है। इसके जरिए पारंपरिक धूप के साथ आधुनिक होम-फ्रेगरेंस जरूरतों को पूरा करने की कोशिश की जा रही है। कंपनी के नए उत्पादों में नवियाद्य कप संब्रानी और मेदिनी जुड़वा कप संब्रानी भी शामिल हैं। इन उत्पादों में पारंपरिक सुगंध को नए फॉर्मेट में पेश करने पर जोर दिया गया है। त्योहारी सीजन में पूजा, आध्यात्मिक गतिविधियों और घरों में सुगंध से जुड़े उत्पादों की मांग बढ़ने के बीच कंपनी को इन नए उत्पादों से अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने की उम्मीद है। अगरबत्ती, धूप और होम-फ्रेगरेंस बाजार में प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ रही है। उपभोक्ता अब केवल पारंपरिक अगरबत्ती तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बेहतर सुगंध, नए फॉर्मेट और अलग फ्रेगरेंस अनुभव वाले उत्पादों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। ई-कॉमर्स और डिजिटल कॉमर्स के विस्तार ने भी इन उत्पादों को नए उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के अवसर बढ़ाए हैं।

अमरनाथ दत्ता ने कहा कि साइकिल प्योर अगरबत्ती की विकास रणनीति में पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर भी जोर है। कंपनी ने कार्बन न्यूट्रल और प्लास्टिक न्यूट्रल जैसी सस्टेनेबिलिटी पहलों को अपनी कारोबारी दिशा का हिस्सा बनाया है। जिम्मेदार विनिर्माण के साथ पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना कंपनी की दीर्घकालिक प्राथमिकताओं में शामिल है। किफायती कीमतों पर उपभोक्ताओं को सस्टेनेबल विकल्प उपलब्ध कराना इस क्षेत्र में कंपनी के लिए चुनौती के साथ अवसर भी है। कंपनी का सात्विक का हालिया अधिग्रहण भी पोर्टफोलियो और बाजार पहुंच के विस्तार की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इस कदम से प्रीमियम और संबंधित कैटेगरी में कंपनी की मौजूदगी मजबूत करने का अवसर मिल सकता है। आने वाले समय में कंपनी की नजर नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों, उत्पाद श्रेणियों और रणनीतिक अवसरों पर बनी रहने की संभावना है। 77 वर्षों की विरासत, 75 से अधिक देशों में मौजूदगी और सालाना अरबों स्टिक्स के उत्पादन के साथ साइकिल प्योर अगरबत्ती अब परंपरा और आधुनिक उपभोक्ता जरूरतों के मेल से अपने अगले विकास चरण को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

भोपाल, इंदौर और जबलपुर में सैफरन लागर और बरेली एक्स्ट्रा बोल्ड लांच

भोपाल। प्रीमियम एल्कोबेव कंपनी कटी पतंग ने मध्य प्रदेश के बाजार में प्रवेश की घोषणा की है। कंपनी ने भोपाल, इंदौर और जबलपुर में अपने सैफरन लागर और बरेली एक्स्ट्रा बोल्ड बीयर लॉन्च की हैं। यह विस्तार जुलाई 2026 में चंडीगढ़ में लांच के बाद किया गया है। कंपनी के अनुसार, 330 मिलीलीटर सैफरन लागर का न्यूनतम बिक्री मूल्य 160 रुपए है। कश्मीर के केसर से तैयार इस बीयर को हल्की और क्रिस्पी लागर के रूप में पेश किया गया है। वहीं, 650 मिलीलीटर बरेली एक्स्ट्रा बोल्ड की कीमत 217 रुपए से शुरू होती है। कटी पतंग लाइफस्टाइल लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं सीईओ शांतनु उपाध्याय ने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रवेश कंपनी की विस्तार रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एजेस का सुपर प्रोटेक्ट प्लस प्लान अब पॉलिसीबाजार पर उपलब्ध

मुंबई। एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने आज देश के सबसे बड़े ऑनलाइन इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म, पॉलिसीबाजार पर अपने प्रमुख टर्म इंश्योरेंस उत्पाद सुपर प्रोटेक्ट प्लस प्लान को लॉन्च करने की घोषणा की। यह योजना विशेष रूप से नौकरीपेशा और खुद का व्यवसाय करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई है। इस लांच से कंपनी की डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन मौजूदगी और मजबूत होगी, साथ ही एक आसान और सुविधाजनक ऑनलाइन खरीदारी के माध्यम से लोगों के लिए जीवन बीमा लेना अधिक सुलभ हो जाएगा।

ईडीआईआई का वीजी पटेल स्मृति व्याख्यान आयोजित

अहमदाबाद। एसोसिएशन ऑफ लेडी एंटरप्रेन्योर्स ऑफ इंडिया की अध्यक्ष रमा देवी कन्नेगंटी ने वीजी पटेल स्मृति व्याख्यान श्रृंखला के 8वें व्याख्यान में 'स्थानीय सामर्थ्य से राष्ट्रीय समृद्धि की ओर' विषय पर अपना संबोधन दिया। इस अवसर पर पीपी सवानी ग्रुप के चेयरपर्सन महेश सवानी भी उपस्थित रहे। ईडीआईआई ने संस्थापक पद्म डॉ. वीजी पटेल को खो दिया था। उद्यमिता के क्षेत्र में डॉ. पटेल के उल्लेखनीय योगदान को स्मरण करने के लिए संस्थान ने 2019 में वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत की। इन सभी प्रयासों के बीच, ईडीआईआई शिक्षा जगत, सरकार और कॉरपोरेट्स के सहयोग से परिणाम-केंद्रित पहलों के माध्यम से उद्यमियों और उनकी इनोवेटिव सोच को प्रोत्साहित करने की बड़ी जिम्मेदारी निभा रहा है।

सैमसंग ने गैलेक्सी टैब एस10+ पर पेश किए खास फेस्टिव ऑफर्स

गुरुग्राम। सैमसंग ने त्योहारों से पहले भारत में अपने फ्लैगशिप टैबलेट गैलेक्सी टैब एस10+ पर विशेष ऑफर्स की घोषणा की है। कंपनी के मुताबिक, टैबलेट में दमदार हार्डवेयर के साथ एआई आधारित फीचर्स दिए गए हैं, जो प्रोफेशनल काम, क्रिएटिविटी, मनोरंजन और स्मार्ट होम मैनेजमेंट में मदद करते हैं। गैलेक्सी टैब एस10+ में 31.47 सेमी डायनैमिक एएमओएलईडी 2 एक्स डिस्प्ले और एंटी-रिफ्लेक्टिव तकनीक है। इसमें चार स्पीकर के साथ एआई आधारित डायलॉग बूस्ट फीचर मिलता है।

अमेजन ने भारत में 'क्रिएटर कनेक्शंस' लांच किया

बेंगलुरु। अमेजन ने भारत में 'क्रिएटर कनेक्शंस' लांच करने की घोषणा की है। यह नया प्रोग्राम पात्र क्रिएटर्स को प्रासंगिक ब्रांड अभियानों से जोड़ने और प्रदर्शन-आधारित साझेदारी के जरिए कमाई के अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है। इसे अमेजन के 1.65 लाख से अधिक क्रिएटर्स के बढ़ते समुदाय में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसके अलावा, क्रिएटर्स अपनी रुचि के अनुसार उपलब्ध अभियानों को खोजकर उनमें भाग ले सकेंगे। अमेजन के मुताबिक, 1.65 लाख से अधिक क्रिएटर्स पहले से उसके इन्फ्लुएंसर प्रोग्राम का हिस्सा हैं। कंपनी के अनुसार, इस वर्ष क्रिएटर-आधारित खोज ने अमेजन पर 6 करोड़ से अधिक उत्पादों की बिक्री में योगदान दिया है।

महाराजा का आईपीओ कल खुलेगा

मुंबई। ड्रिंकवेयर उत्पादों की निर्माता एवं वितरक महाराजा एंड स्पीडेक्स इंडिया लिमिटेड गुरुवार, 10 सितंबर 2026 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने जा रही है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यम से 80.13 करोड़ रुपए जुटाना है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इस ऑफर का आकार 10 रुपए अंकित मूल्य वाले 43,08,000 इक्विटी शेयरों का है, जबकि प्राइस बैंड 177 से 186 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। एंकर बिडिंग बुधवार 9 सितंबर 2026 को होगी। आईपीओ गुरुवार, 10 सितंबर 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 15 सितंबर 2026 को बंद होगा।

टीवीएस ने लांच किया ज्युपिटर डुअल-टोन स्पेक्ट्रल रेंज

बेंगलुरु। टीवीएस मोटर कंपनी ने 110 सीसी सेगमेंट में अपने लोकप्रिय फैमिली स्कूटर टीवीएस ज्युपिटर की नई डुअल-टोन स्पेक्ट्रल रेंज लांच की है। नई रेंज में स्पेक्ट्रल ब्लू और स्पेक्ट्रल कॉपर दो नए डुअल-टोन रंग पेश किए गए हैं। कंपनी के अनुसार, इस नई रेंज में स्टाइल, आराम और तकनीक के संयोजन को और बेहतर किया गया है।टीवीएस मोटर कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनिरुद्ध हल्दर ने कहा कि नई स्पेक्ट्रल रेंज के जरिए कंपनी 110 सीसी स्कूटर बाजार में डिजाइन और कलर विकल्पों के स्तर पर अपनी पेशकश को और मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

गोदरेज एग्रोवेट ने अनुश्री सिंह को नया सीएचआरओ नियुक्त किया

मुंबई। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने अनुश्री सिंह को कंपनी का नया चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (सीएचआरओ) नियुक्त किया है। वह कंपनी की पीपल स्ट्रेटजी का नेतृत्व करेंगी और संगठनात्मक क्षमता मजबूत करने, प्रतिभाओं को विकसित करने तथा भविष्य के लिए उच्च-प्रदर्शन वाला कार्यबल तैयार करने पर काम करेंगी।

माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने पकड़ी विकास की रफ्तार

मुंबई। लगातार सात तिमाहियों की सुस्ती के बाद माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में विकास की रफ्तार फिर पकड़ ली है। माइक्रो फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क (एमएफआईएन) की माइक्रोमीटर रिपोर्ट के 58वें संस्करण के मुताबिक 30 जून 2026 तक देश में माइक्रोफाइनेंस का संचालन 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 718 जिलों में फैला हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार जून तिमाही में उद्योग का कुल पोर्टफोलियो पिछली तिमाही के मुकाबले 1.1 फीसदी बढ़कर 3,28,708 करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान कुल 61,718 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए गए, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 8.9 फीसदी अधिक है।

मसाला निर्यात में 20.48 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। भारतीय मसाला उद्योग में गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा और ट्रेसेबिलिटी अब केवल निर्यात अनुपालन का विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि घरेलू बाजार में संगठित ब्रांडों के विस्तार का महत्वपूर्ण आधार बनते जा रहे हैं। अप्रैल 2024 में स्पाइसेस बोर्ड ने सिंगापुर और हांगकांग को निर्यात होने वाली प्रत्येक मसाला खेप में एथिलीन ऑक्साइड की जांच अनिवार्य की थी। यह फैसला भारतीय ब्रांडेड मसाला उत्पादों को दोनों बाजारों में वापस मंगाए जाने के बाद लिया गया था। शुरुआत में इस कदम को मुख्य रूप से निर्यात संबंधी अनुपालन के तौर पर देखा गया, लेकिन इसके बाद मसालों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर चर्चा का दायरा व्यापक हुआ है। मसाला कंपनियों के सामने अब खेत से लेकर उपभोक्ता तक पूरी सप्लाई चेन में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उत्पादों की ट्रेसेबिलिटी मजबूत करने की जरूरत बढ़ रही है।

सीआईआई हॉस्पिटल टेक समिट 2026 में हेल्थकेयर के डिजिटल भविष्य पर मंथन

एनएबीएच जल्द जारी करेगा नए डिजिटल हेल्थ मानक, अस्पतालों के डिजिटलीकरण को मिलेगी गति

एआई, डेटा गवर्नेंस और मेडिकल टेक्नोलॉजी को बताया भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार

एजेंसी.मुंबई

भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी से हो रहे डिजिटल बदलाव के बीच सीआईआई हॉस्पिटल टेक समिट 2026 के 9वें संस्करण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल हेल्थ, मेडिकल टेक्नोलॉजी, डेटा गवर्नेंस, साइबर सिक्योरिटी और हेल्थकेयर इनोवेशन पर व्यापक मंथन हुआ। समिट के दौरान सीआईआई-डेलॉइट की नॉलेज रिपोर्ट डीपीडीपी एक्ट और नियमों के अनुरूप डेटा गवर्नेंस को अनलॉक करना तथा सीआईआई-पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट एआई शेपिंग द फ्यूचर ऑफ हेल्थकेयर जारी की गईं। सीआईआई-डेलॉइट की रिपोर्ट में स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूत डेटा गवर्नेंस की जरूरत पर जोर देते हुए डेटा डिस्कवरी, प्राइवेसी एवं कंसेंट मैनेजमेंट, सुरक्षित डेटा शेयरिंग, साइबर सिक्योरिटी और एआई के जिम्मेदार उपयोग को महत्वपूर्ण बताया गया। रिपोर्ट में अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए सुरक्षित एवं भरोसेमंद डिजिटल सिस्टम तैयार करने का रोडमैप प्रस्तुत किया गया। वहीं, सीआईआई-पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में कहा गया कि एआई डायग्नोस्टिक्स, मरीजों की देखभाल, अस्पताल संचालन और क्लिनिकल निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेजी से बदल रहा है। बेहतर मरीज परिणाम और ऑपरेशनल एफिशिएंसी के लिए गुणवत्तापूर्ण डेटा तथा मजबूत गवर्नेंस को जरूरी बताया गया। महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल, एफडीआई, डायस्पोरा अफेयर्स एवं एग्रो-मार्केटिंग मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि महाराष्ट्र हेल्थकेयर इनोवेशन, मेडिकल टेक्नोलॉजी, डिजिटल हेल्थ, बायोटेक्नोलॉजी और एडवांस्ड मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की यह पहल 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है। नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स (एनएबीएच) के मरीज और कोइता फाउंडेशन के को-फाउंडर एवं डायरेक्टर रिजवान कोइटा ने कहा कि एनएबीएच देशभर में डिजिटल हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। उन्होंने घोषणा की कि मेडिकल इमेजिंग सिस्टम और क्वालिटी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के लिए नए मानक जल्द जारी किए जाएंगे।

सीआईआई वेस्टर्न रीजन हेल्थकेयर एंड लाइफ साइंसेज सब-कमेटी 2026-27 के चेयरमैन और एशियन कैंसर इंस्टीट्यूट (एसीआई)-कंबाला हिल हॉस्पिटल के चेयरमैन पद्मश्री डॉ. रमाकांत देशपांडे ने उपचार के साथ प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई। उन्होंने मोटापा और लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की बढ़ती चुनौती के मद्देनजर जन-जागरूकता, समय पर स्क्रीनिंग और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया।सीआईआई हॉस्पिटल टेक समिट 2026 के चेयरमैन और पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर के डिप्टी सीईओ जॉय चक्रवर्ती ने कहा कि हेल्थकेयर ट्रांसफॉर्मेशन के लिए सरकार, उद्योग और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने आयुष्मान भारत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। हेल्थकेयर एवं लाइफसाइंसेज पर सीआईआई डब्ल्यूआर उप-समिति 2026-27 के अध्यक्ष एवं ल्यूपिन लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट सौरभ अग्रवाल ने एआई-सक्षम अस्पताल संचालन, प्रेडिक्टिव एवं प्रिवेंटिव हेल्थकेयर, सस्टेनेबिलिटी, स्मार्ट हॉस्पिटल और हेल्थकेयर वर्कफोर्स की अपस्किलिंग को भविष्य के प्रमुख क्षेत्र बताया।

गीतांजलि महाविद्यालय में छह दिवसीय अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में विशेषज्ञों ने साझा किए नवीनतम तकनीकी ज्ञान

एडब्ल्यूएस पर मिला हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और एआई-एमएल की उभरती तकनीकों पर हुई चर्चा

डॉ.जय कुमार जैन ने आर्किटेक्चर, सर्विसेज, डिप्लॉयमेंट एंड हैंड्स-ऑन एडब्ल्यूएस विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई), नई दिल्ली की अटल (एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग) एकेडमी के प्रायोजन में शासकीय गीतांजलि कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल द्वारा क्लाउड टेक्नोलॉजी विषय पर छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन 12 सितंबर तक किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक (पैट्रन) डॉ. जयश्री मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम के समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) डॉ. माया राम अटल, फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन तथा सह-समन्वयक (को-कोऑर्डिनेटर) डॉ.आर.एस.चंदेल, प्रोफेसर ऑफ मैथमेटिक्स हैं।कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानों से विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है, जो प्रतिभागियों को क्लाउड टेक्नोलॉजी एवं उससे संबंधित उभरती तकनीकों के विभिन्न आयामों से अवगत करा रहे हैं।

क्लाउड कंप्यूटिंग पर डॉ. जय कुमार जैन का विशेषज्ञ सत्र

एफडीपी के दूसरे दिन 08 सितंबर 2026 को मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएएनआईटी), भोपाल के सहायक प्राध्यापक डॉ. जय कुमार जैन ने क्लाउड कंप्यूटिंग: आर्किटेक्चर, सर्विसेज, डिप्लॉयमेंट एंड हैंड्स-ऑन एडब्ल्यूएस विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया। अपने व्याख्यान में डॉ. जैन ने क्लाउड कंप्यूटिंग की मूलभूत अवधारणाओं, परिभाषा, प्रमुख विशेषताओं एवं विकास पर चर्चा करते हुए क्लस्टर, ग्रिड और क्लाउड कंप्यूटिंग के बीच अंतर को सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया।उन्होंने एनआईएसटी क्लाउड कंप्यूटिंग रेफरेंस आर्किटेक्चर, क्लाउड के विभिन्न एक्टर्स एवं उनके बीच होने वाले इंटरैक्शंस, आईएएएस, पीएएएस एवं एसएएएस सर्विस मॉडल्स तथा पब्लिक, प्राइवेट, हाइब्रिड एवं कम्युनिटी क्लाउड डिप्लॉयमेंट मॉडल्स की विस्तारपूर्वक व्याख्या की।सत्र में वर्चुअलाइजेशन, रिसोर्स एब्स्ट्रैक्शन, रिसोर्स पूलिंग, मल्टी-टेनेंसी, स्केलेबिलिटी, इलास्टिसिटी, लोड बैलेंसिंग, क्लाउड बर्स्टिंग एवं रिडंडेंट स्टोरेज जैसे महत्वपूर्ण क्लाउड आर्किटेक्चर कॉन्सेप्ट्स पर भी चर्चा की गई। डॉ. जैन ने क्लाउड कंप्यूटिंग के क्षेत्र में रिसर्च फ्रंटियर्स, इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एवं ओपन रिसर्च चैलेंजेस पर भी प्रकाश डाला।

एडब्ल्यूएस पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग

व्याख्यान के पश्चात प्रतिभागियों को अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने स्वयं अमेजन ईसी2 इंस्टेंस का निर्माण, सिक्योरिटी ग्रुप कॉन्फिगरेशन, ईसी2 इंस्टेंस से कनेक्शन, अपाचे वेब सर्वर की स्थापना तथा बेसिक वेब पेज को क्लाउड पर डिप्लॉय करने की प्रक्रिया को करके सीखा। प्रशिक्षण के दौरान आईएएम, ऑथेंटिकेशन, ऑथराइजेशन तथा प्रिंसिपल ऑफ लीस्ट प्रिविलेज जैसे महत्वपूर्ण क्लाउड सिक्योरिटी कॉन्सेप्ट्स को भी समझाया गया। इस हैंड्स-ऑन एक्टिविटी का उद्देश्य प्रतिभागियों को केवल क्लाउड की सैद्धांतिक अवधारणाओं तक सीमित न रखते हुए वास्तविक क्लाउड एनवायरनमेंट में एप्लीकेशन डिप्लॉयमेंट का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। डॉ. जैन ने कहा कि क्लाउड कंप्यूटिंग केवल इंटरनेट पर डेटा या एप्लीकेशन उपलब्ध कराने की तकनीक नहीं है, बल्कि ऑन-डिमांड रिसोर्सेज, रिसोर्स पूलिंग, स्केलेबिलिटी, इलास्टिसिटी और मेजर्ड सर्विसेज के माध्यम से आधुनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सक्षम बनाने वाली महत्वपूर्ण तकनीक है।

विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी सत्र

छह दिवसीय एफडीपी में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा समकालीन तकनीकी विषयों पर व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन सेशंस आयोजित किए जा रहे हैं।कार्यक्रम में डॉ. सुनील जोशी, एसएटीआई विदिशा द्वारा क्लाउड टेक्नोलॉजी: फ्रॉम लोकल कंप्यूटिंग टू डिस्ट्रिब्यूटेड क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर विषय पर, डॉ. स्वाति शर्मा, बीएसएसएस भोपाल द्वारा साइबर सिक्योरिटी थ्रेट डिटेक्शन एंड मिटिगेशन यूजिंग एआई एंड एमएल विषय पर सत्र आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में डॉ. पी. एस. पतेजा, वीआईटी यूनिवर्सिटी आष्टा द्वारा क्लाउड कंप्यूटिंग अनवेल्ड: फ्रॉम वर्चुअलाइजेशन टू इंटेलिजेंट, स्केलेबल क्लाउड सर्विसेज तथा क्लाउड कंप्यूटिंग: पावरिंग द फ्यूचर ऑफ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे विषयों पर विशेषज्ञ सत्र लिए जा रहे हैं। डॉ. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, सेज भोपाल द्वारा एडवांस्ड क्लाउड कंप्यूटिंग: इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, क्लाउड-नेटिव आर्किटेक्चर एंड इंटेलिजेंट एप्लीकेशंस विषय पर तथा श्री संजय कुमार तिवारी, डायरेक्टर, आर्टलाइन भोपाल द्वारा सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट वर्सेस क्लाउड कंप्यूटिंग विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के आगामी सत्रों में डॉ. पीयूष कुमार शुक्ला, आरजीपीवी भोपाल द्वारा सिक्योर एंड ऑप्टिमाइज्ड इंटेलिजेंट क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नेक्स्ट-जेनरेशन कंप्यूटिंग तथा डॉ. जसवंत समर, यूआईटी-आरजीपीवी भोपाल द्वारा क्लाउड सिक्योरिटी चैलेंजेस इन मल्टी-क्लाउड एंड हाइब्रिड क्लाउड एनवायरनमेंट्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

व्यावहारिक एवं शोधपरक दृष्टिकोण पर जोर

एफडीपी में विशेषज्ञ व्याख्यानों के साथ-साथ हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग, लेबोरेटरी सेशंस, आर्टिकल डिस्कशंस तथा इंडस्ट्रियल विजिट जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को क्लाउड टेक्नोलॉजी के नवीनतम विकास से अवगत कराने के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक कौशल, शोध की नई संभावनाओं तथा उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़ना है।कार्यक्रम में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए फैकल्टी सदस्य, शोधार्थी एवं अकादमिक प्रोफेशनल्स उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद करते हुए क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर एवं उभरती डिजिटल तकनीकों से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जयश्री मिश्रा ने कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शिक्षकों एवं शोधार्थियों को तेजी से विकसित हो रही तकनीकों के साथ अद्यतन रखने तथा उनके शैक्षणिक एवं शोध कार्यों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माया राम अटल एवं सह-समन्वयक डॉ. आर. एस. चंदेल ने बताया कि एफडीपी के माध्यम से प्रतिभागियों को क्लाउड टेक्नोलॉजी के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ हैंड्स-ऑन एवं प्रैक्टिकल एक्सपोजर प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। छह दिवसीय यह कार्यक्रम 12 सितंबर 2026 तक विभिन्न विशेषज्ञ सत्रों एवं प्रायोगिक गतिविधियों के साथ जारी रहेगा।

संतोष चौबे को मानद डॉक्टरेट की उपाधि

भोपाल। शिक्षा, सामाजिक उद्यमिता, साहित्य, विज्ञान संचार और भारतीय भाषाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संतोष चौबे को बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय, गढ़वा, झारखंड की ओर से मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में 21 सितंबर 2026 को उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। समारोह विश्वविद्यालय के गुरुपद संभवन रामजी ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल और गवर्निंग बॉडी ने शिक्षा, साहित्य, सामाजिक उद्यमिता, विज्ञान संचार और रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में चौबे के योगदान को देखते हुए उनका चयन किया है। विश्वविद्यालय के मुताबिक, मानद उपाधि उनके दीर्घकालीन कार्यों और उपलब्धियों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। संतोष चौबे ने वर्ष 1985 में ऑल इंडिया सोसायटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर टेक्नोलॉजी (आईसेक्ट) की स्थापना की थी।

बगलामुखी नलखेड़ा में होगा मिर्ची हवन

11 सितंबर को गुफा मंदिर से उज्जैन के लिए रवाना होगी धार्मिक यात्रा

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

धार्मिक आस्था और सेवा से जुड़े श्री बूढ़े हनुमान सहस्त्रधारा अभिषेक मंडल द्वारा हर माह धार्मिक यात्राओं और सहस्त्रधारा अभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। मंडल की ओर से पिछले कई महीनों में देश और प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्राएं आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए हैं। सितंबर माह में नलखेड़ा एवं उज्जैन की धार्मिक यात्रा आयोजित की जाएगी, जिसकी तैयारियां जोरों से चल रही हैं।

मंडल के संयोजक अनुपम अग्रवाल ने बताया कि अब तक अग्रोहा, अयोध्या, हनुमानगढ़ी, काशी विश्वनाथ, हरिद्वार, मैहर, चित्रकूट, मथुरा-वृंदावन, बरसाना, छिंद धाम, पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर, सांवरिया सेठ, चारभुजा, भादवा माता, नाथद्वारा, भोजपुर, सलकनपुर, नरसिंहगढ़, सीहोर के श्री गणेश मंदिर, कुबरेश्वर धाम और बोलाई स्थित श्री हनुमान मंदिर सहित अनेक धार्मिक स्थलों की यात्राएं आयोजित की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सितंबर माह की यात्रा 11 सितंबर को गुफा मंदिर से प्रारंभ होगी। श्रद्धालुओं को वातानुकूलित बस से माता बगलामुखी मंदिर, नलखेड़ा और ज्योतिर्लिंग महाकाल, उज्जैन के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए चाय, नाश्ता और भोजन आदि की संपूर्ण व्यवस्था मंडल की ओर से की जा रही है।

यात्रा के दौरान नलखेड़ा स्थित माता बगलामुखी मंदिर में श्रद्धालु मिर्ची हवन में शामिल होंगे। मंदिर प्रबंधन के नियमानुसार गर्भगृह में प्रवेश के लिए श्रद्धालुओं को पीताम्बरी रंग के वस्त्र धारण करना अनिवार्य होगा। इसके बाद उज्जैन में ज्योतिर्लिंग महाकाल के दर्शन किए जाएंगे।

यात्रा एवं मिर्ची हवन की व्यवस्थाओं में ज्योति बंसल, गोपाल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, चन्द्रेश अग्रवाल, सोहन अग्रवाल और अचिन अग्रवाल सहित मंडल के सदस्य अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। मंडल द्वारा धार्मिक आयोजनों के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंडल के संयोजक अनुपम अग्रवाल ने श्रद्धालुओं से धार्मिक यात्रा में शामिल होकर दर्शन एवं धार्मिक अनुष्ठान का लाभ लेने की अपील की है।

छह देशों से शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

पैराग्वे में वीआईटी भोपाल ने आयोजित किया तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

भोपाल। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने पैराग्वे के नीम्बुकु स्थित यूनिवर्सिडाड नैशनल डी पिलार (पिलार राष्ट्रीय विश्वविद्यालय) के सहयोग से व्यवसाय, संस्कृति, भाषा और प्रौद्योगिकी के अंतर्संबंध- वैश्विक संचार और नवाचार में परिवर्तन विषय पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीबीसीएलटी -2026 का आयोजन पिलार में किया। चार दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न देशों के विद्वानों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, उद्यमियों, व्यावसायिक प्रतिनिधियों और पेशेवरों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न विषयों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान, शोध प्रस्तुतियों, अंतरराष्ट्रीय अकादमिक संपर्क और सांस्कृतिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

शोध प्रस्तुतियों के साथ सांस्कृतिक सहभागिता

सम्मेलन की शुरुआत पिलार राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्वागत समारोह से हुई। पहले दिन पिलार और आसपास के ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण स्थलों का शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण भी कराया गया। इससे प्रतिभागियों को क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को समझने के साथ अकादमिक और व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर मिला।

आरजीसीआईआरसी ने आईएमए के सहयोग से आयोजित किया सीएमई कार्यक्रम

भोपाल। राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र (आरजीसीआईआरसी) ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), ग्रेटर भोपाल शाखा के सहयोग से ऑन्कोलॉजी कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें भोपाल के चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया। कार्यक्रम में फेफड़ों के कैंसर के सर्जिकल उपचार, संदिग्ध कैंसर वाले मरीजों की जांच और कैंसर स्क्रीनिंग पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। सीएमई का उद्देश्य ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञों और व्यापक चिकित्सा समुदाय के बीच ज्ञान एवं अनुभव का आदान-प्रदान बढ़ाना था। कार्यक्रम में संभावित कैंसर की समय रहते पहचान, उचित जांच, समय पर रेफरल और उपचार के बदलते विकल्पों पर विशेष जोर दिया गया। आरजीसीआईआरसी के प्रमुख थोरैसिक ऑन्कोसर्जरी डॉ. एलएम दारलोंग ने लंग कैंसर एंड इट्स सर्जिकल मैनेजमेंट इन करंट एरा विषय पर सत्र लिया। उन्होंने फेफड़ों के कैंसर की सर्जरी में हो रहे बदलावों और उपयुक्त मरीजों में सर्जरी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

भारतीय ज्ञान परंपरा से परीक्षा मूल्यांकन जोड़ने पर मंथन

भोपाल। एलएनसीटी विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। दो दिवसीय कार्यशाला का विषय भारतीय ज्ञान परंपरा में परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन रहा। इसमें देशभर के विश्वविद्यालयों के परीक्षा नियंत्रक, सहायक परीक्षा नियंत्रक, शोधकर्ता, शिक्षाविद् और विषय विशेषज्ञ शामिल हुए।उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने उद्घाटन सत्र में भारतीय मूल्यों और आधुनिक तकनीक के समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को केवल अंक और परिणाम तक सीमित रखने के बजाय उसे व्यावहारिक, प्रासंगिक और प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

कार्यशाला में गुरु-शिष्य परंपरा, दक्षता आधारित मूल्यांकन, सतत एवं समग्र मूल्यांकन, प्रश्न-पत्र निर्माण, भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित मूल्यांकन उपकरण, डिजिटल परीक्षा संचालन तथा पारदर्शी एवं विद्यार्थी-केंद्रित मूल्यांकन पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।

आईईएस यूनिवर्सिटी में 'आरंभ-2026' ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

भोपाल। आईईएस यूनिवर्सिटी एवं आईईएस कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में नए सत्र के विद्यार्थियों के लिए 'आरंभ-ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने माता-पिता और अभिभावकों के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए करियर में सफलता के साथ देशसेवा के लिए भी प्रेरित किया। कैपजेमिनी इंडिया के पुनीत संतानी और वैभव देशपांडे ने विद्यार्थियों को करियर के अवसरों और उद्योग की जरूरतों से अवगत कराया। आईईएस यूनिवर्सिटी के चांसलर इंजीनियर बीएस यादव ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नवाचार और उत्कृष्टता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में संस्था की गतिविधियों, संस्कृति, उपलब्धियों और प्लेसमेंट की जानकारी भी दी गई। समापन पर डायरेक्टर कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन प्रो. मनीषा कवाथेकर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। 9 सितंबर को बॉलीवुड अभिनेत्री संदीपा धार विद्यार्थियों से रूबरू होंगी।

इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स में 16 शिक्षक राष्ट्रीय विजेता

नई दिल्ली। देशभर के 16 उत्कृष्ट शिक्षकों को शिव नाडर फाउंडेशन-ऑक्सफोर्ड सईद इंडियाज़ बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स 2026 का राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया है। पुरस्कार के पहले संस्करण में देश के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 9,400 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। विजेताओं की घोषणा शिव नाडर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित राष्ट्रीय फाइनल के दौरान की गई।

मनीषा रानी और प्रिंस नरूला अपनी मजेदार केमिस्ट्री इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष में लेकर आए

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष एंटरटेनमेंट क्वोटिएंट को और ऊँचा करने के लिए तैयार है। इस एपिसोड में लोकप्रिय टेलीविजन हस्तियां मनीषा रानी और प्रिंस नरूला एक साथ नज़र आएँगे, जो हंसी, मज़ेदार बातचीत और हाई-एनर्जी गेमप्ले से भरपूर होगा। दर्शकों के बीच बेहद पसंद किए जाने वाले होस्ट भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया इस शो को संचालित करते हैं। यह शो सेलिब्रिटीज को उनके कम्फर्ट ज़ोन से बाहर लाकर दर्शकों को उनके मज़ेदार और बेबाक व्यक्तित्व की झलक दिखाता है।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर भोपाल जीपीओ में विशेष विरूपण मोहर जारी

साक्षरता सबके लिए का दिया संदेश, डाक विभाग के अधिकारियों और फिलाटेलिस्टों की रही मौजूदगी

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2026 के अवसर पर भोपाल डाक संभाग की ओर से मंगलवार को भोपाल जीपीओ में विशेष विरूपण मोहर जारी की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर.एस. रघुवंशी, निदेशक डाक सेवाएं, मुख्यालय परिक्षेत्र भोपाल मौजूद रहे। इस दौरान शिवांशु कुमार, उप डाक निदेशक, भोपाल संभाग, राजेश सिंह पंवार, प्रधान डाक अधीक्षक, भोपाल जीपीओ और डॉ. सीमा पांडेय, सहायक निदेशक (राजभाषा), भोपाल संभाग सहित डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, फिलाटेलिस्ट और आमजन उपस्थित रहे। हर वर्ष 8 सितंबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का वर्ष 2026 में 60वां वर्ष मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता यानी लोगों, पृथ्वी और समृद्धि के लिए साक्षरता है। इसका उद्देश्य साक्षरता को केवल पढ़ने-लिखने की क्षमता तक सीमित न रखते हुए शिक्षा, समानता, सामाजिक समावेशन और सतत विकास से जोड़ना है।

कार्यक्रम में बताया गया कि साक्षरता व्यक्ति को बेहतर अवसर हासिल करने, समाज में सक्रिय भागीदारी करने और समावेशी व टिकाऊ भविष्य के निर्माण में सक्षम बनाती है।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- **विवरण:** आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- **मानदंड:** आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- **इनाम/लाभ:** रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- **अंतिम तिथि:** पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप

- **विवरण:** एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप 2026-27, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को प्रदान की जा रही है। इसका उद्देश्य भारतीय रक्षा सेवाओं और आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के परिवारों से आने वाले छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को पुरस्कृत करना है।
- **मानदंड:** भारतीय निवासी कक्षा 1 से 10 में अध्ययनरत छात्र आवेदन कर सकते हैं। वे सेवारत या सेवानिवृत्त रक्षा सेवा/आंतरिक सुरक्षा सेवा कर्मियों के परिवार से संबंधित होने चाहिए।
- **इनाम/लाभ:** रुपए 5,000 का एकमुश्त नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।
- **अंतिम तिथि:** 31-12-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/SDSAS7
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net /static/images/scho-media/sof-defence-services-academic-excellence-scholarship-dsas-2026-271784610057.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- **विवरण:** नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- **मानदंड:** सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- **इनाम/लाभ:** प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- **अंतिम तिथि:** 20-12-2026
- **आवेदन कैसे करें:** यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम

- **विवरण:** परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम 2026-27 एक छात्रवृत्ति पहल है, जिसका उद्देश्य कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करना है।
- **मानदंड:** कक्षा 1 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्नातक (सामान्य और व्यावसायिक), और स्नातकोत्तर (सामान्य और व्यावसायिक) पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों के लिए खुला है।
- नवीनतम योग्यता परीक्षा में न्यूनतम 55₹ अंक आवश्यक हैं।
- सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?2.5 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- केवल भारतीय नागरिकों के लिए जारी है।
- **नोट:** उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में किसी व्यक्तिगत या पारिवारिक संकट का सामना किया है, जिसने उनकी पढ़ाई जारी रखने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया हो।
- **इनाम/लाभ:** शैक्षिक स्तर के आधार पर 5,000 तक की छात्रवृत्ति।
- **अंतिम तिथि:** 30-09-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/HDFC63
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/parivartan-ecss-programme-2026-271786449527.png

मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0

- **विवरण:** मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0 (2026-27),वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड की एक पहल है, जो दक्षिणी, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को सहायता प्रदान करती है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य व्यावसायिक वाहन चालकों, मैकेनिकों के बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में सहायता करना है।
- **मानदंड:** आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना के कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्र आवेदन के पात्र हैं। एलएमव्ही/एचएमवी चालकों सहित व्यावसायिक वाहन चालकों के बच्चे, मैकेनिकों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक को पिछली कक्षा में 60₹ या उससे अधिक अंक प्राप्त होना अनिवार्य है। सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड (इष्टक्क) और बड्डी4स्टडी के कर्मचारियों के बच्चे आवेदन के पात्र नहीं हैं।
- **इनाम/लाभ:** चयनित छात्रों को निम्नलिखित छात्रवृत्ति लाभ प्रदान किए जाएंगे। 12,000 तक की छात्रवृत्ति (वास्तविक खर्च के आधार पर) मेंटरशिप सहायता (रोड सेफ्टी पर सत्र)
- **अंतिम तिथि:** 30-09-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक** www.b4s.in/sach/MKSP3
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर डॉ. सोनवणे

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यान पूर्वक सुनीं। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली, पानी सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान उन्होंने कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही निराकरण कराया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आठनेर तहसील अंतर्गत ग्राम जामठी के ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने, स्कूल की मरम्मत में टीएस निकालने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किए जाने की समस्या बताई। ग्रामीणों की समस्या ध्यान पूर्वक सुन कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को स्वयं जांच कर 7 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने और सोशल ऑडिट से प्रकरण की जांच कर शीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम हिवरखेड़ में पंचायत भवन का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किए जाने के आवेदन पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ.सोनवणे ने अधिकारियों को निर्देशित

किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ गणेश जायसवाल ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध अति मण पाए जाने पर हटाने के निर्देश

जनसुनवाई में शाहपुर के वार्ड वासियों ने गणेश मूर्ति स्थापना स्थल से अवैध अतिक्रमण और पार्किंग हटाने के लिए आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम और सीएमओ शाहपुर को जांच कर अतिक्रमण पाए जाने पर शीघ्र हटाने की करवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हेमराज यादव द्वारा शासकीय रास्ता खुलवाने के आवेदन पर शाहपुर तहसीलदार ग्रामीण को आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम नरेरा निवासी रामनाथ यादव द्वारा नक्शा दुरुस्ती के आवेदन पर कलेक्टर ने आमला एसडीएम को तत्काल आवेदक की समस्या के निराकरण के सख्त निर्देश दिए। आमला निवासी विजया द्वारा जमीन संबंधी विवाद का निराकरण करने के आवेदन पर कलेक्टर ने डीएफओ साउथ और मुलताई एसडीएम को जांच कर आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।

ग्रामीण आवास योजना के लिए दिया आवेदन

जनसुनवाई में घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम डोबरीढाना में वीरेंद्र मर्सकोले ने आंगनबाड़ी के निरीक्षण और बाउंड्री वॉल निर्माण के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने घोड़ाडोंगरी जनपद पंचायत सीईओ को आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।

प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम साईखेड़ा खुर्द निवासी उमेश घोड़की ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत केस पास किए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने जनपद सीईओ प्रभात पट्टन को आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।

आबकारी अधिकारी ने शराब दुकानों का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत 7 सितंबर को जिला आबकारी अधिकारी अंशुमान सिंह चडार द्वारा औचक रूप से सारणी क्षेत्र की कम्पोजिट मदिरा दुकान बगडोना, कंपोजिट मदिरा सारणी नंबर -2 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रय दरो का सत्यापन, रैंडमली बैच नंबर का मिलान, ईएएल कोड मिलान किया गया।

दौरान निरीक्षण पाई गई त्रुटियों के लिए विभागीय प्रकरण कायम किये जाने के लिए वृत प्रभारी सारणी को निर्देशित किया गया।

शासकीय आईटीआई के छात्र मोहित का रक्षा मंत्रालय में हुआ चयन

बैतूल। शासकीय आईटीआई बैतूल के वर्ष 2022 बैच के छात्र मोहित पवार ने अपनी मेहनत से संस्थान एवं जिले का नाम रोशन किया है। मोहित पवार का चयन भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन आर्टिलरी स्टेटिक वर्कशॉप देवलाली कैंप, नासिक में हुआ है। मोहित ने स्कूली शिक्षा के बाद शासकीय आईटीआई बैतूल से मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड में दो वर्षीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की

तैयारी भी जारी रखी। निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर मोहित ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स तथा बीआरओ की कठिन चयन प्रक्रिया में सफलता हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित महज दो पदों में से एक पद पर मोहित ने चयन हासिल किया। अपनी सफलता का श्रेय मोहित ने अपने माता-पिता के साथ शासकीय आईटीआई बैतूल के शिक्षकों एवं विशेष रूप से अपने प्रशिक्षण अधिकारी नवीन मालवीय के मार्गदर्शन को दिया है। शासकीय आईटीआई बैतूल परिवार ने मोहित पवार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी है।

पांच पंचायतें एंबुलेंस की मोहताज 4 साल से पुलिया भी अधूरी

बैतूल। भैंसदेही विकासखंड अंतर्गत आदिवासी बहुल खोमई क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं और आवागमन की समस्या अब ग्रामीणों के लिए परेशानी से बढ़कर जान का खतरा बन गई है। पांच पंचायतों के लिए एंबुलेंस सुविधा और अंडना नदी पर वर्ष 2022 से अटके पुलिया निर्माण को लेकर ग्राम पंचायत खोमई के सरपंच मंगेश सरियाम के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्टर की जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि एंबुलेंस के अभाव में गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा पाता, वहीं बारिश में अंडना नदी पार करना जान जोखिम में डालने जैसा हो जाता है। ग्रामीणों ने पांच पंचायतों के लिए एक आपातकालीन एंबुलेंस स्वीकृत करने तथा अंडना नदी पर वर्ष 2022 से लंबित पुलिया निर्माण कार्य को नवीन स्वीकृति देकर शुरू कराने का आग्रह किया है। सरपंच मंगेश सरियाम ने बताया

कि खोमई सहित आसपास का क्षेत्र आदिवासी बहुल है और भैंसदेही मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित है। ऐसे में क्षेत्र में एंबुलेंस की सुविधा नहीं होने से गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में काफी समय लग जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। निजी वाहनों से मरीजों को अस्पताल ले जाना गरीब परिवारों के लिए काफी महंगा पड़ता है। इसलिए पांच पंचायतों के लिए कम से कम एक एंबुलेंस की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने दूसरी बड़ी समस्या अंडना नदी पर लंबित पुलिया निर्माण को लेकर उठाई है। ज्ञापन में बताया गया है कि पुलिया का निर्माण कार्य वर्ष 2022 से लंबित है। पुलिया नहीं होने के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों को इलाज, मजदूरी और अन्य जरूरी कार्यों के लिए महाराष्ट्र सीमा के सिरजगांव जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

396 बच्चों ने लिया स्वर्ण प्राशन का लाभ

बैतूल। आयुष विभाग द्वारा 7 सितंबर को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर जिले में स्वर्ण प्राशन अभियान आयोजित किया गया। जिले के तीन केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 396 बालक-बालिकाओं ने स्वर्ण प्राशन का लाभ लिया। माता-पिता ने उत्साह के साथ अपने बच्चों को स्वर्ण प्राशन करवाया। जिला आयुष अधिकारी एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के अवसर पर स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में इस माह भी जिले में अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय टिकारी में सर्वाधिक 311 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। वहीं जिला आयुष विंग बैतूल में 65 तथा शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैंसदेही में 20 बच्चों ने इसका लाभ लिया। इस प्रकार तीनों केंद्रों पर कुल 396 बालक-बालिकाओं को स्वर्ण प्राशन कराया गया। डॉ. चौकीकर ने बताया कि अगला पुष्य नक्षत्र 5 अक्टूबर को होगा। उन्होंने अभिभावकों से 6 माह से 16 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन के लिए लाने की अपील की। आयुष विभाग के अनुसार स्वर्ण प्राशन में शंखपुष्पी, वचा, ब्राह्मी, स्वर्ण भस्म, शहद और घृत का मिश्रण उपयोग किया जाता है। विभाग के अनुसार इसका उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा क्षमता तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास को सहयोग देना है।

लोहिया वार्ड में ओम पर माता-पिता के साथ विराजेंगे 16 फीट के श्रीगणेश

बैतूल। गंज स्थित लोहिया वार्ड में नवयुवक नवज्योति गणेश मंडल द्वारा 37 वें वर्ष में लगातार भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस बार 16 फीट ऊंचे ओम पर पिता शंकर जी और माता पार्वती जी नीचे विराजित श्रीगणेश को आशीर्वाद देते हुए चित्ताकर्षक विशाल प्रतिमा स्थापित की जा रही है। खंजनपुर के प्राचीन मूर्तिकार आशीष प्रजापति इसे अंतिम रूप देने में लगे हैं।

दूसरी ओर सारनी के कुशल कलाकार बबलू भाई और टीम द्वारा इस बार भव्य और आकर्षक 60 फीट ऊंचा पंडाल तैयार किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष नंदू मामा ने बताया कि इस झांकी में करीब 80 हजार रुपए खर्च किए जा रहे हैं। झांकी में ओम पर विराजित श्रीगणेश की स्थापना होगी। मंडल द्वारा सभी 10 दिनों तक अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

गत दिनों समूचे आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मंडल समिति के कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 10 दिवसीय गणेश उत्सव को लेकर सभी ने अपनी राय दी। समूचे कार्यक्रमों की रणनीति के लिए एक कार्यकारिणी बनाई गई है। इस कार्यकारिणी में संरक्षक पं. दीपक शर्मा, पं. कांत दीक्षित, विजय सलूजा, कृष्णराव गायकवाड़ को चुना गया है।

अध्यक्ष के रूप में इस बार भी नंदू मामा के नाम पर सहमति बनी है। उपाध्यक्ष अब्बू राठौर, पंकज सोनी, संतोष सोनपुरे, दीपक सलूजा, जयराम भाऊ, हर्ष मालवी, शैलेन्द्र चरडे, सचिव देवेन्द्र साहू, गोल्डी मिश्रा, कन्हैया राठौर, विनोद राठौर, देवेंद्र कारंदे, अतीत पवार, सह सचिव अमित राठौर, नीरज सोनी, संतोष राठौर, भरत मरकाम दिलीप पालीवाल, नरेश अरोरा, राजू बेडरे, विनोद वर्मा, सोनू सलूजा को चुना गया है। सांस्कृतिक समिति में कुंशकुंज अरोरा को अध्यक्ष बनाया गया। जिसकी समिति में अशोक सोनपुरे, हरिशंकर राठौर, गोलू पारधे, युवराज साहू, रवि बेडरे, हितेश सावनेर, नितिन सैनी, लोकेश बेडरे, अंशुल मिश्रा, सोनू राठौर में शामिल किए गए। वहीं कार्यकारिणी सदस्य गोविंद साहू, नान्हू अमझरे, संदीप कवड़े, सोनू सेठे, राकेश रावत, संयम गायकवाड़, सुमित टिकारे, कैलाश अमझरे, प्रदीप ठानेकर, नरेश अरोरा, बंटी पारधे, राहुल पारधे, मोंटी पारधे, नवनीत चौहान, सिद्धार्थ सोनपुरे, सागर सोनपुरे, विजेन्द्र सावनेर, संतोष गुप्ता, गोलू लिखितकर, आयुष सोनपुरे, बलराम बेडरे, अक्कू पंवार, बल्लू बेडरे, मनोज रावत, हर्ष साहू, गोलू साबले, सतीश बेडरे, छोटू बेडरे, आकाश धोटे, लाला पवार, मुन्ना सेलकर, कल्लू नागपुरे, आकाश गुप्ता, कन्हैया बेडरे को चुना गया है।

सच संक्षेप

अतिथि व्याख्यान के नाम पर हुई गड़बड़ी उजागर

सच संवाददाता सोहागपुर। अतिथि व्याख्यान के नाम पर किया गया गड़बड़झाला उजागर हो चुका है। पीएम श्री सोहागपुर एवं कामती में किए गए कृत्य समूचे विकासखंड के शिक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक होकर चर्चा का बड़ा विषय बन गये हैं। जहां सोहागपुर पीएम श्री में एक व्यक्ति को बारंबार आमंत्रित किया गया तो कामती में भतीजियों को अतिथि व्याख्याता घोषित कर उन्हें भुगतान कर डाला गया। शासन से प्राप्त राशि से अधिक का खर्च इस मद में कर दिया जाना भी अनेकों सवालों को जन्म दे गया है शासन से पैंतीस मद बिंदु तय कर लाखों की राशि पीएम श्री विद्यालयों एवं सीएम राइज स्कूल को दी गई। इसमें 19 नंबर मद बिंदु में गेस्ट लेक्चरर की है जिसमें 91000 रूपए का आवंटन पीएम श्री सोहागपुर को दूसरे भाग में मिला। इसके लिए अन्य शासकीय स्कूल में पदस्थ शिक्षक को अतिथि व्याख्याता के रूप में बारंबार आमंत्रित कर उन्हें 92800 का भुगतान कर डाला गया है।

इसे लेकर क्षेत्र के अनेकों शिक्षक सवाल खड़ा कर रहे हैं कि आईटी और रिटेल दो ट्रेड हैं उसमें एक ही व्यक्ति कैसे व्याख्यान दे सकता है। इन शिक्षकों ने इसे कागजी हेराफेरी करार दिया। पीएम श्री सोहागपुर के सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि अतिथि व्याख्याता से दस हजार में सौदा हुआ था बाकी राशि उनसे वापस ले ली गई यही कारण है कि प्राप्त राशि से अधिक का भुगतान कर दिया गया। कामती पीएम श्री की आरटीआई से जानकारी लेने वाले व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों के अनुसार प्राचार्या की दो भतीजियों को अतिथि व्याख्याता के नाम पर भुगतान किए गए। सीएम राइज स्कूल की स्थिति भी यहां के विद्यार्थियों द्वारा कामती एवं सोहागपुर पीएम श्री जैसी ही बताई जा रही है।

साइबर ठगी से बचाव के लिए कार्यशाला आयोजित

बनखेड़ी। मोबाइल हैक कर बैंक खाते से पैसे निकालने, फर्जी कॉल के जरिए झांसा देने और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली साइबर ठगी से बचाव के लिए मंगलवार को एक निजी गार्डन में विशेष साइबर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में थाना प्रभारी विजय कुमार सनस ने लोगों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों और उनसे बचने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने व्हाट्सएप पर आने वाली संदिग्ध क्क फाइल डाउनलोड नहीं करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा फेसबुक हैकिंग सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए होने वाली ठगी से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि साइबर ठग लोगों को कॉल कर ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी या अन्य गोपनीय जानकारी हासिल कर ठगी करते हैं। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक संबंधी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। उक्त कार्यशाला में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों सहित पत्रकारगण मौजूद रहे।

कथावाचक को मिली जान से मारने की धमकी

शाजापुर। जिले के हाटकेश्वर सेमली धाम के प्रसिद्ध कथावाचक पं. कमलकिशोर नागर को जान से मारने की धमकी मिली है। किसी ने उन्हें सम्मान सामग्री भेंट की और उसके बीच में यह पत्र रखा गया था। जिसमें उन्हें किसी भी कथा में गोली मारने की धमकी दी गई है।

दरअसल संत श्री नागर आदिवासी इलाकों में धर्मांतरण रोकने, गौ-सेवा और गौ-तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हैं। उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति ने हाथ से लिखा धमकी भरा पत्र दिया है। इस मामले को देखते हुए श्री कामधेनु गौशाला समिति मदाना ने मंगलवार को एसपी के नाम सलसलाई थाना प्रभारी जनक सिंह रावत को ज्ञापन दिया। समिति ने संत नागर और उनके आश्रम की सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही धमकी देने वाले व्यक्ति को पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

जिले के सभी 14 थानों में शुरू हुई साइबर डेस्क

शहडोल। जिले में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर ठगी से पीड़ित नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी 14 थानों में साइबर डेस्क की शुरुआत की गई है। साइबर डेस्क के माध्यम से नागरिक अपने नजदीकी थाने में ही साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से संबंधित शिकायत दर्ज कराकर आवश्यक पुलिस सहायता प्राप्त कर सकेंगे। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय अग्रवाल ने बुढार थाने में फीता काटकर साइबर डेस्क का शुभारंभ किया। इस पहल से साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के लिए नागरिकों को जिला मुख्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। संबंधित थाना स्तर पर ही शिकायत प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साइबर डेस्क के माध्यम से ऑनलाइन ठगी, साइबर धोखाधड़ी, सोशल मीडिया से संबंधित अपराध एवं अन्य साइबर अपराधों की शिकायतों पर प्राथमिक स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इससे साइबर अपराधों की सूचना पुलिस तक शीघ्र पहुंचने के साथ ही पीड़ितों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

भोपाल में इंटर्न्स डॉक्टरों का आंदोलन तेज, तीसरे दिन भी धरना जारी

लाठीचार्ज के विरोध में सीनियर डॉक्टर भी उतरे ओपीडी का बहिष्कार, इमरजेंसी सेवाएं जारी

सच संवाददाता.भोपाल

स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग को लेकर इंटर्न डॉक्टरों का सत्याग्रह तीसरे दिन भी जारी रहा। चिकित्सक पूरी रात कमला पार्क और मुख्यमंत्री आवास के निकट सड़क पर डटे रहे। आंदोलन के दौरान समय बिताने के लिए कोई क्रिकेट तो कोई लूडो खेलता नजर आया। कई डॉक्टरों ने सड़क पर ही भोजन किया और वहीं रात गुजारी। प्रदर्शनकारियों ने दो टूक कहा है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, वे पीछे नहीं हटेंगे। इसके चलते बुधवार को हमीदिया अस्पताल की ओपीडी सेवाएं पूरी तरह ठप रहेंगी।

कमला पार्क चौराहे पर धरने पर बैठे डॉक्टरों में लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल को लेकर खासा आक्रोश है। आंदोलन को अब सीनियर डॉक्टरों और जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन का भी समर्थन मिल गया है। गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों ने बुधवार से ओपीडी सेवाओं का बहिष्कार शुरू कर दिया। हालांकि मरीजों को परेशानी से बचाने के लिए इमरजेंसी सेवाएं जारी रखी गई हैं। डॉक्टरों के इस कदम से अस्पताल की नियमित स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की स्थिति बन गई है।

प्रदेशभर में काली पट्टी बांधकर विरोध

लाठीचार्ज के विरोध में प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टर बुधवार को काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई उचित नहीं थी और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इंटर्न डॉक्टरों की मुख्य मांग स्टाइपेंड में बढ़ोतरी है। इसके साथ ही वे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। डॉक्टरों ने सरकार से मामले में ठोस निर्णय लेने की मांग की है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का कहना है कि जब तक सरकार स्टाइपेंड बढ़ाने और लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई को लेकर स्पष्ट फैसला नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। भोपाल के कमला पार्क पर डॉक्टरों के विरोध-प्रदर्शन के कारण आसपास के मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ। मंगलवार को पुलिस प्रशासन ने रास्ता खाली करने की अपील की, परंतु प्रदर्शनकारी डटे रहे। विरोध के बीच संवेदनशीलता दिखाते हुए डॉक्टरों ने आपातकालीन वाहनों को रास्ता दिया; एक दंपत्ति द्वारा अपनी घायल बेटी के हादसे की सूचना देने पर उनकी गाड़ी को तुरंत जाने की जगह दी गई।

सड़क पर ही गुजारी रात, वरिष्ठ चिकित्सक भी मैदान में उतरे

प्रदर्शन स्थल पर डॉक्टरों ने रातभर रुककर सरकार के खिलाफ मोर्चा संभाले रखा। गांधी मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर और चिकित्सा शिक्षक संगठन भी अब इंटर्न डॉक्टरों के समर्थन में आ गए हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों ने भी गैर-जरूरी सेवाओं के बहिष्कार का फैसला लिया है, हालांकि आईसीयू और इमरजेंसी सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

प्रशासन से वार्ता जारी, आज समाधान की उम्मीद

राज्य सरकार और प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत का सिलसिला जारी है, जिससे आंदोलन के तीसरे दिन कोई सकारात्मक रास्ता निकलने की उम्मीद जताई जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि स्टाइपेंड वृद्धि पर लिखित आश्वासन और पुलिसिया कार्रवाई की जवाबदेही तय होने के पश्चात ही हड़ताल समाप्त करने का फैसला लिया जाएगा।

उमंग सिंघार ने कुपोषण के मुद्दे पर सरकार को घेरा, श्योपुर के रिकॉर्ड पर किए सवाल

सच संवाददाता.भोपाल

मध्यप्रदेश में कुपोषण का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। श्योपुर जैसे आदिवासी बहुल जिलों में बच्चों के पोषण, इलाज और रिकॉर्ड की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत के बीच सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच अंतर को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है।नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्यप्रदेश में कुपोषण और पोषण आहार व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि एक ओर बालाघाट और श्योपुर में कुपोषित बच्चों की मौत और इलाज की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर पोषण आहार के नाम पर हर महीने लगभग 50 करोड़ रुपये के गबन के आरोप सामने आ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि श्योपुर में बड़ी संख्या में कुपोषित बच्चों का आंगनवाड़ी रिकॉर्ड तक उपलब्ध नहीं है। उनका आरोप है कि वहां लगभग 50 प्रतिशत बच्चों को पूरी तरह स्वस्थ हुए बिना ही डिस्चार्ज किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जब बच्चों का रिकॉर्ड ही पूरा दर्ज नहीं है तो सरकार कुपोषण के खिलाफ चल रही योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन कैसे कर रही है। उमंग सिंघार ने सीहोर का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया है कि कई जगह बच्चों को राशन वितरित किए बिना ही रिकॉर्ड में वितरण दर्ज किया जा रहा है और इस तरह फर्जी आंकड़े तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि पोषण कार्यक्रम में पंजीयन 166 प्रतिशत तक पहुंच गया, लेकिन ठीक हुए बच्चों की दर सिर्फ 56.5 प्रतिशत है। कांग्रेस नेता ने कहा है कि बालाघाट और श्योपुर में कुपोषित बच्चों की स्थिति सरकार की पोषण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों के हिस्से के पोषण आहार में भ्रष्टाचार किया जा रहा है और सरकार को इसकी जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सवाल किया कि आखिर बच्चों के पोषण और इलाज से जुड़ी व्यवस्थाओं में सामने आ रही इन विसंगतियों के लिए जिम्मेदारी किसकी है।

राष्ट्रीय पोषण माह में सरकार के दावों पर विपक्ष के सवाल

यह मुद्दा ऐसे समय सामने आया है जब 9 सितंबर से देश में 9वां राष्ट्रीय पोषण माह शुरू हो गया है। इस वर्ष अभियान की थीम हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी रखी गई है। सरकार का जोर आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं तक पोषण सेवाएं पहुंचाने, सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने और पोषण संबंधी जागरूकता मजबूत करने पर है। मध्यप्रदेश सरकार भी पिछले वर्षों में कुपोषण में कमी, आंगनवाड़ी सेवाओं के विस्तार और सुपोषण अभियानों की उपलब्धियों का दावा करती रही है। श्योपुर में भी कुपोषण कम होने और सुपोषण के प्रयासों में बेहतर प्रदर्शन के दावे सामने आते रहे हैं।

मास्टर प्लान को लेकर भोपाल में 'रन फॉर मास्टर प्लान' 1100 क्वार्टर से राजीव गांधी चौराहे तक निकली रैली

तिरंगा लेकर शामिल हुए नागरिक, मास्टर प्लान को जल्द लागू करने की उठी मांग

सच संवाददाता.भोपाल

राजधानी भोपाल के मास्टर प्लान को लेकर बुधवार को 'रन फॉर मास्टर प्लान' रैली निकाली गई। 1100 क्वार्टर क्षेत्र से शुरू हुई रैली राजीव गांधी चौराहे तक पहुंची। बड़ी संख्या में नागरिक और मास्टर प्लान समर्थक इस अभियान में शामिल हुए। प्रतिभागियों ने तिरंगा हाथ में लेकर भोपाल के सुनियोजित और संतुलित विकास के लिए जल्द स्पष्ट मास्टर प्लान लागू करने की मांग उठाई। मास्टर प्लान को लेकर पिछले कई दिनों से राजधानी में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गतिविधियां तेज हैं। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने आज 'रन फॉर मास्टर प्लान' आयोजित किया। रैली के दौरान शहर के विकास, यातायात, आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों के नियोजन और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान लागू करने की मांग प्रमुख रही। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भोपाल के तेजी से विस्तार के बीच शहर के लिए दीर्घकालिक और स्पष्ट विकास योजना जरूरी है।

मास्टर प्लान का मुद्दा हाल में नगर निगम की आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ चल रही सीलिंग कार्रवाई के कारण भी चर्चा में है। व्यापारियों की ओर से भी ऐसी नीति की मांग की जा रही है, जिससे शहर में व्यावसायिक गतिविधियों को स्पष्ट नियमन मिल सके। भोपाल के नए मास्टर प्लान को लेकर प्रक्रिया लंबे समय से चल रही है। नए प्लान को वर्ष 2047 की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए जाने की बात सामने आई है। सितंबर में नए ड्राफ्ट को आगे बढ़ाने की तैयारी के बीच पुराने ड्राफ्ट को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

राजधानी में आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों पर नगर निगम की कार्रवाई के बीच मास्टर प्लान का मुद्दा और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। शहर में हजारों व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए जाने के बाद व्यापारी और विभिन्न संगठन स्पष्ट नीति की मांग कर रहे हैं। सरकार की ओर से भी सीलिंग मामले में कानूनी रास्ता तलाशने की बात कही गई है। रैली के माध्यम से प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि भोपाल के भविष्य को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए और शहर के रहवासियों, व्यापारियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सुझावों को इसमें शामिल किया जाए।

निशातपुरा से दो दिन पहले गायब हुई लापता नाबालिग उत्तरप्रदेश के बरेली में मिली

अगवा कर ले गया था युवक, आरोपी गिरफ्तार

सच संवाददाता.भोपाल

निशापतपुरा इलाके से दो दिन पहले गायब हुई नाबालिग को पुलिस ने उत्तरप्रदेश से दस्तयाब कर लिया है। सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद एक ुयुवक उसे अगवा कर अपने साथ लेकर गया था। पुलिस ने युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है। निशातपुरा पुलिस ने बताया कि करीब 6 महीने पहले नाबालिग इंस्टाग्राम के जरिए एक युवक के संपर्क में आई थी। दोनों के बीच दोस्ती होने के बाद रोजाना चैटिंग और बातचीत होने लगी।

गत 24 अगस्त को बालिका अचानक अपने घर से गायब हो गई। परिजनों ने परिचितों व रिश्तेदारों के घर पर तलाश की। जब वह कहीं भी नहीं मिला तो मामले की शिकायत थाने में की गई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। दो दिन पहले पुलिस को नाबालिग के उत्तरप्रदेश में होने की सूचना मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया।

इस दौरान युवक के घर से नाबालिग भी मिल। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि 6 माह पूर्व से सोशल मिडिया एप इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती किया और अपनी बातों में बहला-फुसला लिया और भोपाल आकर अपने साथ लेकर बरेली चला गया और बालिका की मोबाईल सिम भी तोड़ कर फेंकदी। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

पहली पत्नी को तलाक दिए बगैर युवक ने कर ली दूसरी शादी, प्रकरण दर्ज

भोपाल। युवक ने पहली पत्नी को तलाक दिए बगैर दूसरी महिला से शादी कर ली। घर में पैदा हुई कलह के बाद पहली पत्नी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पूरी घटना सामने आने के बाद शाहजहांनाबाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संजय नगर निवासी 27 साल की महिला की शादी जुलाई 2025 में समरधा मिसरोद में रहने वाले मनीष कुमार से आर्य समाज मंदिर में हुई थी।

शादी के कुछ माह बाद फरियादिया को पता चला कि मनीष की पहली पत्नी भी है। उसे तलाक दिए बिना मनीष ने उससे दूसरी शादी की है। फरियादिया ने जब इस बात का विरोध किया तो पति समेत सास अनुराधा और ससुर भागवत प्रसाद ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। तंग आकर वह अपने मायके आकर रहने लगी। इस बीच दिसंबर 2025 में मनीष की पहली पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पीड़िता ने लिखित शिकायती आवेदन पुलिस को दिया था। पुलिस ने पति मनीष कुमार समेत सास-ससुर पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इधर गौतम नगर इलाके में तीन तलाक का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि पीजीबीटी कॉलेज रोड निवासी 28 वर्षीय महिला की शादी करीब 11 साल पहले शोएब के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और सास द्वारा उसे दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा तथा उसके साथ मारपीट की जाती थी। पिछले दिनों दहेज की मांग का विरोध करने पर पति शोएब ने उसे तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। गौतम नगर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति शोएब और सास सबा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन दिन बारिश पर ब्रेक, 12 सितंबर से फिर बदलेगा राजधानी का मौसम

सच संवाददाता.भोपाल

राजधानी भोपाल सहित मध्य प्रदेश में फिलहाल तेज बारिश से राहत है। मौसम विभाग के अनुसार आज से 11 सितंबर तक प्रदेश में भारी बारिश की संभावना कम है, हालांकि स्थानीय परिस्थितियों के कारण कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज बौछारें हो सकती हैं। इसके बाद 12 सितंबर से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां फिर बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 11 सितंबर के आसपास पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में नया कम दबाव का क्षेत्र बनने के संकेत हैं। इसके आगे बढ़ने पर मध्य प्रदेश के मौसम में बदलाव आएगा और 12 सितंबर से बारिश का दौर फिर तेज हो सकता है।

नए मौसमी तंत्र के असर से छतरपुर, पन्ना, दमोह और कटनी में 12 सितंबर को भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके बाद सिस्टम की दिशा और मजबूती के अनुसार प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी बारिश बढ़ सकती है। मौसम विभाग के ताजा उपखंडीय पूर्वानुमान में 12 सितंबर को मध्य प्रदेश के दोनों प्रमुख मौसम उपखंडों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक की चेतावनी दर्ज है। आज प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां कमजोर रहीं। भोपाल सहित कई जिलों में धूप खिली और आसमान अपेक्षाकृत साफ रहा। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर बादल और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। इंदौर के लिए भी 9 से 11 सितंबर तक मुख्यत: साफ मौसम और 12 सितंबर से बारिश/गरज-चमक की संभावना दर्ज की गई है। प्रदेश में मानसून के दौरान कई दौर में अच्छी बारिश होने के बावजूद कुल बारिश का आंकड़ा अभी सामान्य से पीछे है। पूरे मानसून सीजन में मध्य प्रदेश में करीब 6 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। जून में प्रदेश में सामान्य से करीब 14 फीसदी कम बारिश हुई थी।

जुलाई और अगस्त में अच्छी बारिश के कई दौर आए और सितंबर की शुरुआत में भी सक्रिय मौसमी प्रणालियों के कारण बारिश का आंकड़ा सुधरा, लेकिन जून की कमी पूरी तरह नहीं भर सकी।

मप्र में नया फायर एक्ट लागू , अब 10 मिनट में मौके पर पहुंचेगी दमकल

सच संवाददाता.भोपाल

मध्य प्रदेश में अग्निशमन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से नया फायर एक्ट लागू किया गया है। नए प्रावधानों के तहत आगजनी या आपात स्थिति की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग का अधिकतम रिस्पॉन्स टाइम 10 मिनट निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही अग्निशमन सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नगरीय निकायों को संपत्ति कर के साथ फायर टैक्स वसूलने का अधिकार दिया गया है। इसकी दरें राज्य शासन द्वारा निर्धारित की जाएंगी।

नए कानून में दमकलकर्मियों की ड्यूटी और जवाबदेही को लेकर भी सख्त प्रावधान किए गए हैं। ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने या बिना अनुमति स्थल से अनुपस्थित रहने पर संबंधित कर्मचारी को तीन माह तक की जेल, तीन महीने की वेतन कटौती या दोनों की सजा हो सकती है। यदि किसी व्यक्ति की लापरवाही या असावधानी के कारण आग लगती है और आसपास की संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है, तो नुकसान की भरपाई की जिम्मेदारी दोषी व्यक्ति की होगी। पीड़ित पक्ष नुकसान की भरपाई के लिए 30 दिनों के भीतर आवेदन कर सकेगा और मामले का निपटारा 90 दिनों के भीतर सिविल कोर्ट की डिक्री की तरह किया जाएगा। फायर ब्रिगेड को झूठी सूचना देने या फर्जी कॉल कर दमकल विभाग को गुमराह करने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

फॉल्स अलार्म या गलत सूचना देने पर 20 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। इसका उद्देश्य वास्तविक आपात स्थितियों में दमकल संसाधनों के अनावश्यक इस्तेमाल को रोकना है। नए एक्ट के तहत व्यावसायिक परिसरों, अस्पतालों और ऊंची इमारतों में प्रशिक्षित फायर सुपरवाइजर की नियुक्ति अनिवार्य होगी। निर्धारित अवधि में नियुक्ति नहीं करने पर पहले 10 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से पेनल्टी और इसके बाद 10 हजार रुपए प्रतिदिन का दंड लगाया जाएगा। इसके अलावा फायर सेफ्टी ऑडिट, फायर प्लान तैयार करने और सर्टिफिकेशन जैसे कार्यों के लिए शासन द्वारा अधिकृत निजी एजेंसियों को लाइसेंस देने की व्यवस्था भी की गई है।15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले आवासीय भवनों, अस्पतालों, स्कूलों, मॉल और कारखानों के लिए फायर एनओसी अनिवार्य होगी। सघन आबादी वाले इलाकों और औद्योगिक क्षेत्रों में आग लगने की स्थिति में त्वरित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पुलिस थानों की तर्ज पर स्पष्ट सीमा और कमान व्यवस्था वाले नए फायर स्टेशन विकसित करने का प्रावधान भी किया गया है।

शादी और धार्मिक आयोजनों में भी फायर सेफ्टी जरूरी

नए नियमों में वैवाहिक, राजनीतिक और धार्मिक आयोजनों में लगाए जाने वाले पंडालों को सेल्फ-रेगुलेटरी श्रेणी में रखा गया है। आयोजकों के लिए अग्निरोधी कपड़ों का इस्तेमाल और पर्याप्त चौड़ाई वाले निकास द्वार रखना अनिवार्य किया गया है।नए फायर एक्ट के प्रावधानों से उम्मीद है कि आगजनी की घटनाओं में दमकल की त्वरित पहुंच के साथ-साथ भवनों और सार्वजनिक आयोजनों में अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन भी अधिक प्रभावी तरीके से सुनिश्चित हो सकेगा।

'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर आज से 8 अक्टूबर तक चलेगा राष्ट्रीय पोषण माह

सच संवाददाता.भोपाल

प्रदेश में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का आयोजन 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर किया जाएगा। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया बुधवार को 9वें राज्य स्तरीय पोषण माह का इंदौर से शुभारंभ करेंगी। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया बुधवार को इंदौर में एक माह तक चलने वाले इस अभियान में स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों, पर्याप्त प्रोटीन, आहार विविधता, बच्चों के पोषण एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल के साथ प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने पर विशेष जोर रहेगा। जिला, परियोजना, सेक्टर और आंगनवाड़ी स्तर पर गतिविधियों का आयोजन कर अधिक से अधिक समुदाय को इससे जोड़ा जाएगा।पोषण माह के दौरान पंचायत भवनों, स्कूलों और सामुदायिक भवनों में पोषण मेले एवं रेसिपी प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। आंगनवाड़ी केंद्रों पर 3 से 6 वर्ष के बच्चों को स्थानीय एवं विविधतापूर्ण ताजा नाश्ता और गर्म पका भोजन उपलब्ध कराने के साथ उसकी गुणवत्ता, मात्रा और स्वच्छता की निगरानी में मातृ सहयोगिनी समितियों, पंचायतों और समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पोषण माह के दौरान 11 सितंबर से शारीरिक माप दिवसों का आयोजन कर जन्म से 6 वर्ष तक के बच्चों का वजन, लंबाई/ऊंचाई सहित आवश्यक शारीरिक माप लेकर पोषण ट्रैकर में प्रविष्टि की जाएगी। गंभीर तीव्र कुपोषण, मध्यम तीव्र कुपोषण और गंभीर रूप से कम वजन वाले श्रेणी के बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाएगा। नवीन चिन्हित बच्चों का प्रोटोकॉल में पंजीयन कर साप्ताहिक फॉलोअप किया जाएगा। ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के दौरान कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यकता वाले बच्चों का समय पर रेफरल सुनिश्चित किया जाएगा।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506